घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 138- शनिवार 21- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.30 रुपये की बढ़ोत्तरी सामान्य पेट्रोल का दाम स्थिर

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। पश्चिम एशिया संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम 2 रुपये से लेकर 2.30 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाये हैं,जबकि सामान्य पेट्रोल का भाव स्थिर है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2 रुपये से लेकर 2.30 रुपये तक बढ़ा दी हैं। हालांकि आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की बात यह है कि नियमित (रेगुलर) पेट्रोल की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोत्तरी नहीं किया गया है। यह बदलाव आज (शुक्रवार) सुबह 6 बजे से ही पूरे देश में लागू हो चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस ईंधन पर प्रति लीटर इनमें हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का 'पावर' पेट्रोल और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) का 'एक्सपी95' जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। आमतौर लोग अपनी महंगी कारों और आधुनिक बाइक्स में स्मूथ इंजन परफॉरमेंस की उम्मीद में प्रीमियम पेट्रोल को प्राथमिकता देते हैं। यह फैसला मुख्य रूप से मध्य पूर्व में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक ईंधन बाजारों पर इसके बढ़ते प्रभाव के कारण लिया गया है। उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल और अमेरिका बीच जारी जंग के चलते ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम आज 109.54 डॉलर प्रति बैरल पर हैं। एक दिन पहले कच्चे तेल का दाम 117.98 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था। वहीं, भारत में क्रूड की कीमतें लगभग दोगुनी होकर 146 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं।

दिल्ली दंगा आरोपी ताहिर हुसैन को जमानत...इलाज के लिए कोर्ट से मिली राहत,5 दिन में सर्जरी कराने का निर्देश

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के आरोपी पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को कोर्ट ने मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी है। उन्होंने इनगुइनल हर्निया के इलाज के लिए स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जमानत की मांग की थी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली सरकार को उनकी सर्जरी 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। ताहिर हुसैन ने कड़कड़डूमा कोर्ट में याचिका दायर कर इनगुइनल हर्निया का हवाला दिया था। उन्हें जल्द सर्जरी और विशेष देखभाल की आवश्यकता है। संक्रमण से बचाव व रिकवरी के लिए जेल से बाहर रहना जरूरी बताया गया। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को हुसैन की सर्जरी के बाद अस्पताल व जेल दोनों जगह पूरी देखभाल सुनिश्चित करने का आदेश दिया। यह आदेश अंतरिम जमानत की अर्जी पर आया है। 2020 फरवरी में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी। जांच एजेंसियों ने इसे सुनियोजित साजिश बताया है, जिसमें ताहिर हुसैन मुख्य आरोपी हैं। जनवरी 2026 में उनकी नियमित जमानत भी खारिज हुई थी।

भीषण सड़क हादसे में दो बच्चों समेत 7 की मौत

सलेम,20 मार्च 2026। तमिलनाडु में सलेम के पास उथमसोलपुरम में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो बच्चों समेत सात लोगों की जान चली गई। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। ईरोड से सलेम जा रही एक सरकारी बस कथित तौर पर चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और विपरीत लेन में चली गई। इसके बाद अनियंत्रित बस सूलाईमेडु के पास एक मिनी मालवाहक वाहन से टकरा गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे,उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ ने बाद में गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया,जिससे मृतकों की कुल संख्या 7 हो गई। पांच वर्ष की निथिशका, 11 महीने की जीविका के अलावा मणिकंदन, इरुसयी, सेल्वराज, अमुथा और मुरुगन की हादसे में जान चली गई। हादसे की जानकारी होते ही सलेम की जिला कलेक्टर वृंदा देवी और पुलिस अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच जारी है।

राष्ट्रपति संत प्रेमानंद से मिलीं हाथ जोड़कर किया प्रणाम ...

परिवार संग आश्रम पहुंचीं और की आध्यात्मिक चर्चा

मथुरा,20 मार्च 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान दूसरे दिन शुक्रवार को वृंदावन स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचकर उनसे मुलाकात की। सुबह करीब 7 बजे हल्की बारिश के बीच राष्ट्रपति मुर्मू अपने परिवार के साथ आश्रम पहुंचीं,जहां उन्होंने संत से लगभग 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, दामाद गणेश हेम्ब्रम और नातिनें आद्याश्री व नित्याश्री भी मौजूद रहीं। आश्रम पहुंचने पर राष्ट्रपति मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को हाथ जोड़कर प्रणाम किया,जिसका उत्तर संत ने 'राधे-राधे' कहकर दिया। इस दौरान आश्रम के संतों ने राष्ट्रपति मुर्मू का माला और चुनरी ओढ़ाकर पारंपरिक स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को उनके जन्मदिन की बधाई भी दी। गौरतलब है कि संत का 56 वां जन्मदिन एक दिन पूर्व 19 मार्च को मनाया गया था। आश्रम परिसर में राष्ट्रपति और उनके परिवार के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। बताया गया कि आध्यात्मिक चर्चा के दौरान राष्ट्रपति भाव-विभोर नजर आईं। इस दौरान कुटिया में केवल राष्ट्रपति,उनके परिजन और संत के करीबी शिष्य ही उपस्थित रहे। मथुरा प्रवास के अगले चरण में राष्ट्रपति बाबा नीम करौरी महाराज के आश्रम भी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह मथुरा का दूसरा दौरा है। इससे पहले वह 25 सितंबर को यहां आई थीं,जब उन्होंने बांके बिहारी मंदिर में दर्शन किए थे। राष्ट्रपति मुर्मू का यह दौरा उनके तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश प्रवास का हिस्सा है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को उन्होंने अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए थे और राम मंदिर में रामयंत्र की स्थापना की थी। उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण भी किया,जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें मंदिर निर्माण से जुड़ी प्रगति की जानकारी दी।

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है जब उसके नागरिक स्वस्थ हों : राष्ट्रपति मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' भारत तभी संभव है,जब उसके नागरिक स्वस्थ हों। आज कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय पर पता चलना और उच्च स्तरीय उपचार मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रपति मुर्मु शुक्रवार को वृंदावन स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम अस्पताल में नवनिर्मित 'नंद किशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' (कैंसर चिकित्सा केंद्र) के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रही थीं। इससे पहले सेवाश्रम अस्पताल में पहुंचने पर राष्ट्रपति मुर्मु का उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम के सचिव सुप्रकाश आनंद एवं सह सचिव कालीकृष्णानंद ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' भारत तभी संभव है, जब उसके नागरिक स्वस्थ हों। आज कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय पर पता चलना और उच्च स्तरीय उपचार मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ परिवारों के लिए आर्थिक परिस्थितियों के कारण इस बीमारी का इलाज मुश्किल या लगभग असंभव सा लगता है। ऐसे समय में जनसेवा की भावना से काम करने वाले संगठन समाज कल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जागरूकता अभियानों और समय पर जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराकर कैंसर की रोकथाम और उसके प्रभावी इलाज पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। आज, भारत अपने स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार यह प्रयास कर रहा है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल हर नागरिक तक पहुंचे। मुर्मू ने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से लाखों नागरिकों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कैंसर का इलाज भी आयुष्मान भारत योजना के दायरे में आता है, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में नये एम्स और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हो रही हैं।

जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा जनता बदलाव के लिए तैयार : राहुल गांधी

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। केरल में चुनाव का ऐलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा 'टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है।' उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा,'मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है,उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। मैं हमेशा आपका साथी बनकर रहूंगा।' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। जनता अब बदलाव चाहती है। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी बात सुने, उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए।

अवैध बेटिंग और सट्टेबाजी पर कार्रवाई 300 वेबसाइट्स और ऐप्स ब्लॉक

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। केन्द्र सरकार ने ऑनलाइन चल रहे अवैध जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 300 और वेबसाइटों व ऐप्स को ब्लॉक कर दिया है। 'ऑनलाइन गेमिंग एक्ट' लागू होने के बाद से इन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार नए कानून के तहत अब तक कुल 4,900 प्लेटफॉर्म्स पर गाज गिरी है। पिछले आंकड़ों के साथ इनकी संख्या 8,400 हो जाती है। हालिया कार्रवाई के निशाने पर मुख्य रूप से ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कैसीनो (स्लॉट्स, रूलेट और लाइव डीलर टेबल),और बेटिंग एक्सचेंज (पीपी मार्केटप्लेस) शामिल हैं। इसके अलावा सट्टा नेटवर्क पर भी शिकंजा कसा गया है। सट्टा-मटका जुआ नेटवर्क और असली पैसों का लालच देने वाले कार्ड गेम ऐप्स को भी प्रतिबंधित किया गया है।

ममता का ऐलान...एससी-एसटी महिलाओं को हर महीने 1700 देंगे,बाकी को 1500,घोषणापत्र में 10 वादे

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। ममता ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली सहायता राशि 500-500 रुपए बढ़ाने का वादा किया है। मेनिफेस्टो को मुताबिक, अगर ममता की सरकार बनी तो बंगाल में जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1500 मिलेंगे। अभी बंगाल सरकार जनरल कैटेगरी की महिलाओं को 1000 हर महीने देती है। वहीं एससी-एसटी महिलाओं को 1700 प्रति माह दिया जाएगा। अभी एससी-एसटी महिलाओं को 1200 रुपए मिलते हैं। इसके अलावा ममता ने बेरोजगार युवाओं को 1500 प्रति माह देने का ऐलान किया है। हर परिवार को पक्का घर और हर घर में नल से पीने का साफ पानी पहुंचाने का वादा किया है। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर सभी राजनीतिक विज्ञापनों के लिए प्री-सर्टिफिकेट जरूरी कर दिया है। EC ने कहा कि पेड और फेक न्यूज पर भी निगरानी रखी जाएगी। उम्मीदवारों को सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी भी देनी होगी और राजनीतिक दलों को चुनाव के 75 दिनों के भीतर पूरे खर्च की डिटेल भी जमा करनी होगी।

चुनाव से पहले राजनीतिक विज्ञापनों पर सख्ती : चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनावों से पहले नए सख्त नियम लागू किए हैं। अब किसी भी राजनीतिक विज्ञापन को टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया या इंटरनेट पर चलाने से पहले MCMC से अनुमति लेना जरूरी होगा। यह नियम असम,केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और कुछ राज्यों के उपचुनावों में लागू होंगे। पार्टियों और उम्मीदवारों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी देनी होगी और चुनाव के बाद 75 दिनों के अंदर पूरा खर्च भी बताना होगा। साथ ही, पेड न्यूज और फेक न्यूज पर नजर रखने के लिए आयोग ने सख्ती बढ़ा दी है।

एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी,लेकिन हालात चिंताजनक : केंद्र सरकार

हर दिन 55 लाख सिलेंडर की मांग,7500 कंज्यूमर पीएनजी पर शिफ्ट हुए

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। एलपीजी संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई। वहीं, करीब 7500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से ये बातें केंद्रीय मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते वापस लौट रहे हैं।

कालाबाजारी रोकने के लिए 4500 छापे मारे

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 सरप्राइज इंस्पेक्शन भी किए। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है और 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसका आवंटन किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इस दौरान वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष पर भारत का पक्ष रखा। सभी नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में सुरक्षित आवाजाही के समर्थन की बात दोहराई। रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान से भी बात की और उन्हें व वहां के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा की और भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में ओमान की भूमिका की सराहना की।

शिपिंग मंत्रालय बोला- गल्फ क्षेत्र में 22 जहाज और 611 भारतीय सुरक्षित

शिपिंग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी समुद्री घटना की कोई रिपोर्ट नहीं है। पर्शियन गल्फ क्षेत्र में हमारे 22 जहाज और 611 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी पोर्ट पर जाम की स्थिति नहीं है। न्यू मैंगलोर पोर्ट ने क्रूड और एलपीजी के लिए 14 मार्च से 31 मार्च तक सभी कार्गो से जुड़े शुल्क में छूट का सर्कुलर जारी किया है।

नया आयकर कानून मुकदमों को कम करेगा और अनुपालन को सरल बनाएगा : सीतारमण

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 और 'प्रारंभ 2026' को लॉन्च किया, जिसका मकसद टैक्स को आसान बनाना और मुकदमों को कम करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने 'प्रारंभ 2026' के लॉन्चिंग के अवसर पर संबोधन में कहा कि नया आयकर अधिनियम मुकदमों को काफी हद तक कम करने और अनुपालन को सरल बनाने का प्रयास करता है; उन्होंने कर अधिकारियों से आग्रह किया कि वे करदाताओं को विरोधी मानने के बजाय राष्ट्र निर्माण में भागीदार के रूप में देखें। आयकर अधिनियम, 2025 पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान' शुरू करते हुए वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 को भी लॉन्च किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिकारियों को कहा,'टैक्स देने वाला आपका विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आपका साझीदार है।' उन्होंने इनकम टैक्स अधिकारियों से ज्यादा सहयोगात्मक सोच अपनाने का आग्रह किया। सीतारमण ने अपने संबोधन में कहा कि मैं एक नया दृष्टिकोण, एक नई मानसिकता चाहती हूं। मैं आयकर अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि वे इस प्रारंभ को इस नई मानसिकता को अपनाने के अवसर के रूप में लें। वित्त मंत्री ने शायराना अंदाज में कहा कि छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, आओ मिलकर लिखेंगे हम इनकम टैक्स की नइ कहानी। वित्त मंत्री ने कहा कि मैं आयकर विभाग को एक संदेश देना चाहती हूं। आप केवल टैक्स वसूलने वाले ही नहीं हैं, आप करदाताओं के साथ सरकार के संबंधों का चेहरा हैं। उन्होंने कहा कि चूँकि आप टैक्स देने वालों के साथ सरकार के रिश्ते का चेहरा हैं, इसलिए यह नया कानून आपको एक ज्यादा साफ और सुव्यवस्थित ढांचा देता है, ताकि इसे आसान बनाया जा सके–उन लोगों के लिए और भी आसान, जो इसे बेहतर ढंग से समझना चाहते हैं। सीतारमण ने कहा इसे सहानुभूति, निष्पक्षता और कुशलता के साथ लागू किया जाना चाहिए।

युद्ध स्वार्थी हितों और वर्चस्व की चाहत का नतीजा : भागवत

नागपुर, 20 मार्च 2026। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में अधिकांश संघर्षों की असली वजह स्वार्थी हित और वर्चस्व की चाहत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही संभव है।

भागवत नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि पिछले करीब 2,000 वर्षों से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन उन्हें सीमित सफलता ही मिली।

अश्विनी वैष्णव ने दिए निर्देश... नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एआई निगरानी और क्यूआर एंट्री सिस्टम लागू होगा

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेल भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और स्टेशन प्रबंधन से जुड़े उपायों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुधारों की शुरुआत करते हुए इन्हें समयबद्ध तरीके से लागू करने के निर्देश दिए। रेल मंत्रालय के अनुसार बैठक में स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन,प्रवेश नियंत्रण, तकनीक आधारित निगरानी और यात्री सुविधा बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। ये सभी सुधार पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लागू किए जाएंगे और बाद में अन्य स्टेशनों पर विस्तार किया जाएगा। स्टेशन परिसर में एआई आधारित कैमरा नेटवर्क स्थापित किया जाएगा, जो प्लेटफॉर्म, प्रवेश-निकास द्वार और संवेदनशील क्षेत्रों की चौबीसों घंटे निगरानी करेगा। एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जहां एआई के जरिए असामान्य गतिविधियों की तुरंत पहचान कर अलर्ट जारी किया जाएगा। रेलवे सुरक्षा बल की तैनाती भी बढ़ाई जाएगी। स्टेशन पर कार्यरत सभी रेलवे और गैर-रेलवे कर्मचारियों के लिए रंग-कोडेड फ्लोरोसेंट जैकेट और अनिवार्य पहचान पत्र लागू किए जाएंगे, जिससे यात्रियों और सुरक्षा एजेंसियों को कर्मचारियों की पहचान में आसानी होगी। दीपावली और छठ पूजा के दौरान संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर क्यूआर कोड आधारित प्रवेश प्रणाली शुरू की जाएगी। इससे केवल वैध टिकटधारकों को ही स्टेशन में प्रवेश मिलेगा और भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। यात्रियों को बेहतर अंतिम मील कनेक्टिविटी देने के लिए रेलवन ऐप को भारत टैक्सी के साथ जोड़ा जाएगा।

ईरान युद्ध में शामिल न होने पर नाटो देशों पर फिर भड़के ट्रंप,कहा...कायरों हम यह बात याद रखेंगे

वॉशिंगटन,20 मार्च 2026। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार नाटो देशों पर निशाना साधा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नाटो देशों को निशाने पर लेते हुए कहा, वे कायर हैं, क्योंकि वे ईरान युद्ध में शामिल नहीं हुए और न ही होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद के लिए अपनी सेनाएं भेजीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका के बिना नाटो एक कागजी शेर है! वे परमाणु शक्ति संपन्न ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते थे। उन्होंने यह भी कहा, अब जब वह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है और उनके लिए खतरा भी बहुत कम है,तो वे तेल की उन ऊंची कीमतों की शिकायत कर रहे हैं जो उन्हें चुकानी पड़ रही हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में मदद नहीं करना चाहते, जो कि एक साधारण सैन्य कदम है जिसकी वजह से तेल की कीमतें बढ़ी हैं। उनके लिए ऐसा करना कितना आसान है और इसमें जोखिम भी बहुत कम है। कायरों हम यह बात याद रखेंगे! अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान पर हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का आवागमन बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ है।

संपादकीय

खौफ का खेल

सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर शहर चंडीगढ़ कुछ समय पहले तक,अपनी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिये मशहूर रहा है। इस शहर को लंबे समय तक हिंसा व अपराधों से सुरक्षित माना जाता रहा है। लेकिन विडंबना है कि अब यह तेजी से असुरक्षित होता जा रहा है। पिछले दिनों चंडीगढ़ का पॉश इलाका माने जाने वाले सेक्टर नौ में एक युवा प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े हुई चौंकाने वाली हत्या ने शहर की शांति व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा की सावधानीपूर्वक बनायी गई इस केंद्रशासित प्रदेश की छवि को धूमिल किया है। निस्संदेह, इस केंद्र शासित प्रदेश के सबसे समृद्ध और सुरक्षित इलाकों में से एक सेक्टर में,इस तरह की सरेआम निर्मम हत्या होना न केवल चिंताजनक है,बल्कि यह बेहद गंभीर अपराध बढ़ने का संकेत भी देता है। शुरुआती रिपोर्टों में इस अपराध को गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी से जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसमें लकी पटियाला और बबीहा गैंग जैसे नामों का जिक्र सामने आया है। यह हत्याकांड एक चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करता है कि अब संगठित अपराध उन शहरी केंद्रों में लगातार बढ़ रहे हैं,जिन्हें कभी इस तरह की गैंगवार से अछूता समझा जाता था। माना जाता रहा है कि चंडीगढ़ पुलिस यथाशीघ्र अपराध की जड़ तक पहुंचकर अपराधियों पर शिंकजा कसने में सफल रहती है। यह चौंकाने वाली बात है कि हाल के वर्षों में पंजाब में गैंगवार में होने वाली हिंसा और जबरन वसूली के रैकेट में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जिसका सबसे प्रमुख उदाहरण मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या है। निस्संदेह,सेक्टर नौ में दिनदहाड़े हुई हत्या से साल 2017 में हुए आकांक्षा सेन हत्याकांड की टीस एक बार फिर उभर आई। यह भी एक ऐसा ही हाई-प्रोफाइल मामला था। जिसमें न्याय मिलने में लगातार हुई देरी के कारण आज भी लोगों के मन में गहरी कसक व्याप्त है। निस्संदेह,दोनों ही हत्याकांडों से जुड़ी समानताएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। मसलन,अपराध सार्वजनिक रूप से हुए हैं। जिससे अपराध को रोकने की पुलिस की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें एक सवाल जवाबदेही का भी है। वास्तव में इस तरह सरेआम दिन दहाड़े होने वाले अपराध सार्वजनिक विमर्श में कई संवेदनशील सवालों को जन्म देते हैं। इस घटना से जुड़ा सबसे चिंताजनक पहलू है हत्याकांड में शामिल रहे अपराधियों का दुस्साहस। निर्विवाद रूप से सार्वजनिक स्थल के बाहर दिन-दहाड़े की गई हत्या बताती है कि ये अपराधियों में कानून-व्यवस्था के प्रति डर समाप्त होने का संकेत है। जिसके परिणामस्वरूप कानून प्रवर्तन की निवारक क्षमता कमजोर हो जाती है। निस्संदेह, इस तरह की घटनाओं को लेकर खुफिया जानकारी जुटाने,पुलिस समन्वय और ऐसे हमलों को रोकने की क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। कोई शक नहीं कि चंडीगढ़ को अब किसी भी तरह की लापरवाही का शिकार बनने नहीं दिया जा सकता। प्रशासन को प्रतिक्रियात्मक पुलिसिंग के बजाय सक्रिय और खुफिया जानकारी आधारित रणनीति अपनानी होगी। निश्चित रूप से ऐसे अपराधों पर तभी अंकुश लगाना संभव हो पाएगा,जब पुलिस का लक्ष्य आपराधिक गिरोहों, उनकी आर्थिक मदद करने वालों तथा उनके सहयोगियों के गठजोड़ को नेस्तनाबूद करना होगा।

राजस्थान का लोक उत्सव है गणगौर

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलत: कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रात: काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है...

रमेश सर्राफ,धमोरा

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भावना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान,हरियाणा,मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव,माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़,हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं:-

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी,
छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं:-

म्हारी गौर तिसाई ओ राज
घाट्यारी मुकुट करो,
बीरमदासजी रो ईसर ओराज,
घाटी री मुकुट करो,
म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी
राज घाटीरी मुकुट करो।

लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं:-

म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर,
दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो
झूमकड़ो,
ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का
बीर,ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो।

रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम

को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का ''बिन्दौरा'' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं:-

ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार
ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां।

गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी,तालाब,कुए,बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैं:-

गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख
तन बाई रोवा याद कर।

गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है-''तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर''। अर्थात् जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। ''सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे''।

गणगौर महिलाओं का त्योहार माना जाता है इसलिए गणगौर पर चढ़ाया हुआ प्रसाद पुरुषों को नहीं दिया जाता है। गणगौर के पूजन में प्रावधान है कि जो सिंदूर माता पार्वती को चढ़ाया जाता है महिलाएं उसे अपनी मांग में सजाती हैं। शाम को शुभ मुहूर्त में गणगौर को पानी पिलाकर किसी पवित्र सरोवर या कुंड आदि में इनका विसर्जन किया जाता है। आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वों को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं।अब राजस्थान पर्यटन विभाग की वजह से हर साल मनाए जाने वाले इस गणगौर उत्सव में शामिल होने कई देशी-विदेशी पर्यटक भी पहुँचने लगे हैं।

गणगौर तीज

खुशियों से भर दो माता,हम सबका माँ भण्डार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार ।

मीठे-मीठे भजनों से माँ,मिलकर तुमको रिझाएंगें,
श्रद्धा भक्ति भाव प्रेम से,सारे तुम्हें मनाएंगे,
सुन लो ओ प्यारी मैया,भक्तों की करुण पुकार,
भर दो सबकी झोलियाँ,गवर ईशर सरकार ।

सुनती हो माँ विनती उसकी,जो शरण तुम्हारी आता है,
खाली झोली वो फिर अपनी,प्रेम से भर ले जाता है,
कर जोड़ खड़े हम मैया, सपने कर दो साकार,
भर दो सबकी झोलियाँ,गवर ईशर सरकार ।

बूंदी,लड्डू,रबड़ी,पेड़े,प्रेम से भोग लगाएंगे,
पाकर निज प्रशाद तुम्हारा,धन्य सभी हो जाएंगे,
मैया के दर्शन पाकर,हुआ 'आनंद' पारावार,
भर दो सबकी झोलियाँ,गवर ईशर सरकार ।

खुशियों से भर दो माता,हम सबका माँ भण्डार,
भर दो सबकी झोलियाँ,गवर ईशर सरकार ।

मोनिका जैन 'आनंद'

अली लारिजानी की हत्या से अमेरिका इजरायल के बीच बिगड़ते कूटनीतिक समीकरण

संजीव ठाकुर
रायपुर, छत्तीसगढ़

इज़रायल द्वारा अली लारिजानी की कथित हत्या ने मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक परिदृश्य को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहाँ पहले से सुलग रहा ईरान इजरायल संघर्ष अब खुली ज्वाला में परिवर्तित होता दिखाई दे रहा है। लगभग बीस दिनों से जारी इस संघर्ष ने अब केवल सैन्य सीमाओं को नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संतुलन को भी बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ऊर्जा बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव, तेल और गैस की कीमतों में उछाल, और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की अनिश्चितता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक संकट का रूप ले चुका है। अमेरिका का यह दावा है कि इज़रायल ने बिना पूर्व अनुमति के यह कार्रवाई की है,रणनीतिक साझेदारी में दरार का संकेत देता है,और यही दरार अब अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी दृष्टिकोण को यदि उनके दोनों कार्यकालों के संदर्भ में देखा जाए तो एक दिलचस्प विरोधाभास सामने आता है।पहले कार्यकाल में ट्रम्प की नीति आक्रामक होते हुए भी नियंत्रित थी,जहाँ उन्होंने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए,ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर दबाव की राजनीति को अपनाया, लेकिन साथ ही प्रत्यक्ष बड़े युद्ध से बचने की रणनीति भी बनाए रखी,वे 'अधिकतम दबाव' की नीति के माध्यम से ईरान को झुकाना चाहते थे, न कि सीधे सैन्य टकराव में उलझना। इसके विपरीत दूसरे कार्यकाल में परिदृश्य अधिक जटिल और अनियंत्रित प्रतीत होता है, जहाँ सहयोगी देशों के बीच भी समन्वय की कमी सामने आ रही है, इज़रायल द्वारा बिना सूचना के की गई इस कार्रवाई ने यह दर्शा दिया है कि अब अमेरिका की पकड़ अपने सहयोगियों पर पहले जैसी नहीं रही, और निर्णय अधिक बिखरे हुए तथा आक्रामक हो गए हैं। अली लारीजानी को ईरान के भीतर एक संतुलित और संवाद समर्थक नेता माना जाता रहा है, उनकी अनुपस्थिति ने ईरान की राजनीति में कठोर रुख रखने वाले धड़ों को और अधिक प्रभावशाली बना दिया है, जिससे किसी भी प्रकार के युद्धविराम या समझौते की संभावना लगभग समाप्त हो गई है, वहीं इजरायल की रणनीति अब स्पष्ट रूप से निर्णायक सैन्य बढ़त हासिल करने की दिशा में बढ़ती दिख रही है, जिसमें कूटनीति के लिए बहुत कम स्थान बचा है। इस संघर्ष का विस्तार तब और स्पष्ट हो गया। कतर में स्थित गैस और तेल भंडारों पर हमलों की खबरें सामने आईं,यह केवल सैन्य शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करने की रणनीतिक चाल भी है,जिसका प्रभाव यूरोप,एशिया और विशेषकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर गहराई से पड़ रहा है। ट्रम्प के दोनों कार्यकालों की तुलना इस पूरे संकट को समझने में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करती है।पहले कार्यकाल में उन्होंने शक्ति और कूटनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की, जहाँ दबाव के साथ संवाद की संभावना जीवित रही, लेकिन दूसरे कार्यकाल में परिस्थितियाँ अधिक अस्थिर और अप्रत्याशित हो गई हैं,सहयोगी देशों की स्वतंत्र कार्रवाइयाँ,क्षेत्रीय शक्तियों की आक्रामकता, और कूटनीतिक संवाद का लगभग समाप्त हो जाना यह संकेत देता है कि अब वैश्विक व्यवस्था अधिक विखंडित हो चुकी है। आज की स्थिति में सबसे बड़ा संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि संवाद के सभी रास्तों का बंद हो जाना है,जब बातचीत की संभावनाएँ समाप्त होती हैं तो युद्ध ही एकमात्र भाषा बन जाती है, और यही भाषा अंततः मानवता के लिए सबसे अधिक विनाशकारी सिद्ध होती है,वर्तमान परिदृश्य यह चेतावनी दे रहा है कि यदि शीघ्र ही कोई संतुलित और दूरदर्शी कूटनीतिक पहल नहीं हुई,तो यह संघर्ष एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध से आगे बढ़कर वैश्विक संकट का रूप ले सकता है, जिसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी।

बच्चों की परवरिश इंसान की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है

याद रखें,डांट और मार से बच्चे सिर्फ़ 'डरना' सीखते हैं...

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह

बच्चों की परवरिश इंसान की सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है,लेकिन अक्सर हम ग़लत रास्ते चुन लेते हैं। फ़ौरन रद्देअमल यानी तुरंत चिल्लाना या सज़ा देना एक स्वाभाविक इंसानी फ़ितरत हो सकती है,जब बच्चा कुछ ग़लत करता है,तो ग़ुस्सा आना लाज़मी लगता है। लेकिन एक समझदार वालिदैन (माता-पिता) वही हैं जो अपने ग़ुस्से पर क़ाबू पाते हैं। वे ठंडे दिमाग़ से सोचते हैं और मसले का ऐसा हल निकालते हैं जो बच्चे के भविष्य को संवारे, न कि तोड़े।याद रखें, डांट और मार से बच्चा सिर्फ़ 'डरना' सीखता है। आपके सामने तो वह डर के मारे ग़लती छोड़ देगा,लेकिन पीठ पीछे उसे दोहराएगा।क्योंकि डर से सीखा हुआ सबक़ कभी स्थायी नहीं होता। सच्ची तरबियत वह है जहाँ बच्चा आपकी ग़ैर-मौजूदगी में भी सही और ग़लत की तमीज़ रखे। वह खुद से फ़ैसला ले सके,न कि सिर्फ़ डर से रुके। मिसाल के तौर पर, अगर बच्चा खिलौना तोड़ दे,तो मारने की बजाय पूछें, 'यह टूट गया,अब हम इसे कैसे ठीक करेंगे?' इससे वह ज़िम्मेदारी सीखेगा।नज़रों का राब्ताकायम करें,आंखों में देखकर बोलें,नज़रों का राब्ता बहुत गहरी बात है। 'आंखों में देखकर कहें' क्योंकि ये तरीका यह जादू की तरह काम करता है। जब आप बच्चे के क़द के बराबर झुकेंगे, उसकी आंखों में मोहब्बत और संजीदगी से देखेंगे,तो आपकी बात सीधे उसके दिल तक पहुँच जाती है। बच्चे की आँखें उसके दिल का आईना होती हैं,वहाँ डर नहीं,बल्कि समझ और प्यार पहुँचेगा।उदाहरण लीजिए,मान लीजिए बच्चा झूठ बोल रहा है। ऊँची आवाज़ में चिल्लाने की बजाय,घुटनों के बल बैठें, उसकी आँखों में देखें और कहें, 'बेटा,मुझे सच बताओ,हम साथ मिलकर इसे सुलझाएँगे।' यह तरीक़ा बच्चे को सुरक्षित महसूस कराता है, और वह खुलकर बोलता है। वैज्ञानिक रूप से भी सिद्ध है कि आई कॉन्टेक्ट से बच्चे का दिमाग़ ऑक्सीटोसिन हार्मोन रिलीज़ करता है,जो भरोसा बढ़ाता है।एहसास-ए-जुर्म न कराएँ, सुधार पर ज़ोर दें,बच्चों को कभी यह महसूस न कराएँ कि वे 'बुरे' हैं। बच्चे एहसास-ए-जुर्म (गिल्ट) से सुधरते नहीं, बल्कि टूट जाते हैं। इसके बजाय,उन्हें यह समझाएँ कि उनका किया गया काम या हरकत अच्छी नहीं थी। कहें कि 'मुझे अच्छा नहीं लगा जब तुमने यह किया।' इससे बच्चे की इज़्ज़त-ए-नफ़्स (सेल्फ रेस्पेक्ट) को ठेस नहीं पहुँचती, और वह ग़लती को अलग करके खुद को अलग नहीं समझता। ये व्यावहारिक उदाहरण है,अगर बच्चा भाई-बहन से झगड़ा करे, तो उससे ऐसा न कहें 'तुम बुरे हो!', बल्कि कहें 'झगड़ा करना अच्छा नहीं लगता, क्या हम शांति से बात करें?' इससे बच्चा सोचता है, सुधारता है अपने आपको, और अगली बार खुद सँभाल लेता है। मनोविज्ञान कहता है कि सेल्फ-एस्टिम बरक़रार रखने से बच्चे आत्मविश्वासी बनते हैं।जज़्बाती ताल्लुक़ तरबियत का बुनियादी उसूल होता है,तरबियत का आधार 'ताल्लुक़' है,यानी मज़बूत इमोशनल कनेक्शन। अगर बच्चे के साथ आपका रिश्ता दोस्ती और भरोसे का है, तो सुधारने के लिए ऊँची आवाज़ की ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी। वह आपकी महज़ एक उदास नज़र देखकर संभल जाएगा। बच्चा सोचेगा, 'मम्मी-पापा दुखी हैं, मैंने ग़लत किया। 'सुनने की आदत डालें।

बदलता मौसम जीवसृष्टी के लिए बेहद खतरनाक

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पूरी दुनिया आज ग्लोबल वार्मिंग से त्रस्त है, क्योंकि इसका बुरा असर पर्यावरण के प्रत्येक घटक पर हो रहा है और मानवीय जीवन बेहद प्रभावित हुआ है, जबकि इस भयावह परिस्थिति का जिम्मेदार मनुष्य स्वयं हैं। मनुष्य ने अपने लालच,स्वार्थ और गैरजिम्मेदाराना हरकत से समस्त जीवसृष्टी को संकट में डाल दिया है, सभी ओर समस्याओं का अंबार लगा हुआ नजर आता हैं। मौसम का चक्र ऋतु अनुसार परिवर्तनशील चलता रहता है, परंतु लगातार मानवीय हस्तक्षेप से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता ही जा रहा है,जिस कारण मौसम में हमेशा बदलाव नजर आता हैं। कभी गर्मी में बारिश होती है,बारिश में ठंडी,ठंडी में बारिश,तो कभी बारिश में गर्मी होती है, वातावरण में लगातार बढ़ती आर्द्रता से जान घबराती हैं। कहीं बाढ़ तो कहीं अकाल पड़ जाता हैं। ऐसे अचानक मौसम में बदलाव से मानवी शरीर और फसलों, खाद्यपदार्थों पर बेहद बुरा असर होता हैं। शुद्ध वातावरण की देश में वैसे ही कमी होती है, हर ओर प्रदूषण,अशुद्ध हवा-पानी,खाद्यपदार्थों में घातक रसायनों का प्रयोग, मिलावटखोरी, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन,जंगल कटाई,उपजाऊ भूमि का ह्रास,यांत्रिक संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता,हानिकारक गैसों का लगातार उत्सर्जन,खराब उत्पादों की बाजार में व्यापकता और घातक कचरे के बढ़ते पहाड़ ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार हैं। पहले के मुकाबले आज लोगों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ती नजर आती है, मौसम में हल्का सा बदलाव होते ही लोगों में वायरल फैल जाता है,जल्द बीमारी जकड़ लेती है,नयी-नयी जानलेवा बीमारियों ने जन्म ले लिया है,मनुष्य की रोग प्रतिकारक क्षमता कम समय में ही कमजोर पड़ जाती हैं। इस बदलते मौसम के दुष्प्रभाव के कारण मनुष्यों के साथ-साथ असंख्य वन्य जीव, जलचर, जीवजंतु असमय जान गंवाते हैं। हर साल 23 मार्च को 'विश्व मौसम विज्ञान दिवस' जनजागरूकता के लिए पुरे विश्व में मनाया जाता हैं। इस वर्ष की थीम है 'आज निरिक्षण, कल की सुरक्षा'। लगातार बदलते मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि उस आंकलन पर विकास और सुरक्षा हेतु योग्य प्रारूप तैयार किया जा सकें। आपदाओं के खतरे को कम करके भविष्य के लिए दर्ढि विकास हम प्राप्त कर सकते हैं। अभी मार्च में शुरू हुई तेज गर्मी सामान्य से 4-8 सेल्सियस ज़्यादा तापमान हैं। हमारे देश में असंतुलित मौसम लगातार अपने नवनवीन रिकॉर्ड बना रहा है, जो दशकों के अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा हैं। गर्मी में अत्यधिक गर्मी,ठंड में अत्यधिक ठंडी और बारिश के मौसम में बाढ़ की भयावह स्थिति हर ओर नजर आती हैं। इस कारण देश में अक्सर बीमारियों का साम्राज्य फला-फूला रहता हैं। लगातार बदलते मौसम से लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। 2025 की शुरुआत में खराब मौसम की घटनाओं से होने वाली मौतों में पिछले सालों के मुकाबले 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ते तापमान से ओजोन परत को बहुत नुकसान हो रहा है,जिससे सांस के विकार अधिक गंभीर हो रहे हैं। हीटस्ट्रोक,डिहाइड्रेशन और दिल की बीमारियां बेतहाशा बढ़ रही हैं। उष्ण लहरों का बढ़ना, कीड़ों से होने वाली बीमारियों का बढ़ना,बाढ़ के कारण पानी से होने वाले इंफेक्शन, डायरिया,हैजा,मलेरिया,डेंगू और अशुद्ध ऑक्सीजन शामिल हैं, इसका सबसे ज्यादा बुरा असर आर्थिक रूप से कमजोर तबके पर बहुत ज्यादा पड़ता है, जो अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी-रोजी के जुगाड़ में संघर्ष करते रहते हैं। समुद्री तटीय राज्यों में अक्सर बाढ़, साइक्लोन और हीट वेव का खतरा ज्यादा रहता हैं। मौसम की खराबियों और बार-बार फसल खराब होने के कारण संबंधित व्यवसायिकों या किसानों को मानसिक समस्या जैसे चिंता,नैराश्य और आघातोत्तर तणाव विकार हो सकता हैं। हमारे देश में किसानों को बेहद परिश्रम करने के बाद, प्रकृति की मार झेलने बाद भी योग्य फल या मुआवजा नहीं मिलता,इसलिए किसान आत्महत्या की घटनाएं अत्यधिक घटती हैं। पल-पल बदलता मौसम भारतीय खेती पर गंभीर असर डाल रहा है,जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा है एवं पैदावार कम हो रही हैं। इन बदलावों की वजह से हीट स्ट्रेस हो रहा है, पॉलिनेशन में रुकावट आ रही है,कीड़ों का प्रकोप बढ़ रहा है, और मिट्टी की नमी कम हो रही है, जिससे 2050 तक बारिश पर निर्भर चावल,गेहूं और मक्के की पैदावार में 18-20 प्रतिशत की कमी आने की पूरी संभावना हैं। अनिश्चित,कम या अधिक बारिश से बुआई का समय बिगड़ जाता है,खासकर खरीफ़ सीजन में,और ज़्यादा बारिश से मिट्टी का गंभीर कटाव होता हैं। फसल कटाई के समय में सूखे,बाढ़ और बेमौसम तूफानों के बढ़ने से फसलों और संसाधनों को बहुत नुकसान होता हैं। फसलों पर कीड़ों का बढ़ता आक्रमण खाद्य उत्पादकता को बुरी तरीके से तबाह करता है,बढ़ती गर्मी से दूधजन्य पशुओं के सेहत पर भी गंभीर परिणाम होते हैं। अनियमित बारिश किसानों के लिए एक अभिशाप है, देश में वैसे ही सिंचाई की स्थिति समाधनकारक नहीं है, मिट्टी की उर्वरकता लगातार गिर रही हैं। बढ़ती मानवीय गतिविधियों के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हुई है, जिसका असर हम सभी भुगत रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी घातक गैसों का बढ़ता उत्सर्जन और उन्हें रोकनेवाले जंगल, पेड़, वन्यजीवों का ह्रास हो रहा है,तो दूसरी ओर शहरों, कस्बों में सीमेंट के जंगल उग रहे है, जिससे बारिश का पानी जमीन सोख नहीं पाती और वह शुद्ध पानी ऐसे ही नालों में बह जाता है,इस कारण तापमान भी कम नहीं होता। शहरों में पेड़ों की जड़े कमजोर हो रही है,हल्की हवा चलते ही पेड़ जड़ो से टूटकर गिर पड़ते हैं। मानवी सुविधा के नाम पर पहाड़ों को भी क्षति पहुंचाई जा रही है, जिससे भूस्खलन की घटनाएं अत्यधिक बढ़ गई हैं। अगर हम प्रकृति को बर्बाद करेंगे तो प्रकृति भी बदला लेगी ही। जंगल समृद्ध होंगे तो, वन्यजीव,पशु-पक्षी समृद्ध होंगे,ये जीव ही प्रकृति के रक्षक हैं। इससे तापमान संतुलित होने में मदद मिलेगी। पर्याप्त मात्रा में वर्षा होगी, जिससे जल स्त्रोत समृद्ध होते है,मिट्टी का कटाव रुकता है, वन्यजीव और मानवी संघर्ष रुकता हैं। ओजोन परत की रक्षा होती है,शुद्ध ऑक्सीजन-पानी मिलता हैं। जीवों में चलने वाली खाद्य श्रृंखला योग्य रूप में संचालित होती है,श्रृंखला के प्रत्येक जीव को पोषक वातावरण, बेहतर अधिवास का मौका मिलता हैं। मनुष्य के लिए सबसे आवश्यक जिस बात का असर उसके जीवन, स्वास्थ्य,दिनचर्या पर पड़ता है, वह बात सबसे अहम है, परंतु देश में हमेशा मौसम विज्ञान,प्रदूषण,वैश्विक तापमान, पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दों को दूर रखकर केवल वाद-विवाद,भेदभाव,राजनीती स्वार्थ,लालच,भ्रष्टाचार और अशांति के लिए भागते लोग नजर आते हैं। पर्यावरण का संतुलन बनाए तो होने वाली असंख्य घातक बीमारियां, उसके खर्चे, असमय मौत को काफी हद तक रोककर बेहतर जीवनमान दे सकते है, इससे अरबों डॉलर की संपत्ति बचाई जा सकती हैं। सबसे पहले हमने इंसान बनकर पर्यावरण के प्रत्येक घटक का महत्व जानना होगा, देश-दुनिया को बचाने के लिए प्रत्येक का सहभाग आवश्यक हैं। ग्लोबल वार्मिंग को रोकने और पर्यावरण की रक्षा के लिए बेहद कड़े कानून की आवश्यकता हैं। सबसे पहले लोगों में जागरूकता बहुत आवश्यक हैं। पर्यावरण हमारा है, इसकी रक्षा की जिम्मेदारी भी हमारी है,तभी तो हम स्वस्थ, शुद्ध और पोषक वातावरण पा सकेंगे और आनेवाली पीढ़ी को बेहतर कल दे पायेंगे।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

दादा गली में अब 'दादा' नहीं,सांड का शासन!

सांड का ऐसा आतंक की सड़क पर निकले तो अस्पताल तय!

दादा गली में 'सांड राज',अंबिकापुर में लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

- अंबिकापुर में बेकाबू सांड,कई लोग घायल...प्रशासन बेखबर
- दो साल से आतंक मचा रहा सांड,आखिर क्यों नहीं जागा प्रशासन?
- बार-बार हमले,फिर भी कार्रवाई शून्य...किसकी जिम्मेदारी?
- हटाया गया,फिर लौट आया सांड-फेल हुआ नगर निगम का सिस्टम
- लोग घायल होते रहे,जिम्मेदार चुप...अंबिकापुर में बड़ा सवाल
- नगर निगम सोया,सांड बोला...मैं ही यहां का राजा!
- कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा-दादा गली में बढ़ता खतरा
- बच्चे-बुजुर्ग असुरक्षित,सांड के डर से सहमा पूरा इलाका

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

शहर के केदारपुर भट्ठी रोड स्थित गणेश दादा गली इन दिनों एक अजीब और खतरनाक संकट से गुजर रही है,यहां दो आक्रामक सांड ने ऐसा आतंक मचा रखा है कि लोग इस गली से गुजरने से पहले कई बार सोचने को मजबूर हो जाते हैं,हालत यह है कि इस क्षेत्र में रहने वाले लोग अब अपने रोजमर्रा के रास्ते बदलने लगे हैं,जबकि बाहर से आने वाले अनजान लोग अक्सर इस सांड के हमले का शिकार बन जाते हैं,यह समस्या नई नहीं है, बल्कि पिछले लगभग दो वर्षों से लगातार बनी हुई है,बावजूद इसके,प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता ने इस खतरे को और भी गंभीर बना दिया है।

हर दिन डर के साए में जी रहे लोग

गणेश दादा गली के रहवासी बताते हैं कि यह सांड अचानक और बिना किसी उकसावे के लोगों पर हमला कर देता है, सुबह-शाम टहलने निकलने वाले लोग सबसे ज्यादा खतरे में रहते हैं,बच्चों और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने में डर लगता है,लोग अब सांड को देखते ही रास्ता बदल लेते हैं,गली का माहौल ऐसा हो गया है कि यहां हर व्यक्ति हमेशा सतर्क और भयभीत रहता है।

कई लोग पहुंच चुके अस्पताल

इस सांड के हमले से कई लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं,कई मामलों में हाथ और पैर फ्रैक्चर हुए,कुछ लोगों को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं,अस्पताल में इलाज कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है,हाल ही में गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे की घटना ने लोगों को और डरा दिया,किशोर मनवारनी, जो रोज की तरह टहलने निकले थे,अचानक सांड के हमले का शिकार हो गए। सांड ने उन्हें जोरदार टक्कर मारी,जिससे उनका हाथ टूट गया और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाना पड़ा,यह घटना इस बात का प्रमाण है कि खतरा कभी भी और किसी के साथ हो सकता है।

समस्या का अस्थायी समाधान,फिर वही हालात

स्थानीय लोगों के अनुसार,इस सांड को एक बार पकड़कर क्षेत्र से बाहर ले जाया गया था, कुछ समय के लिए लोगों को राहत मिली, लेकिन लगभग एक महीने बाद सांड फिर वापस लौट आया,इसके बाद हमलों का सिलसिला फिर शुरू हो गया,इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन ने केवल अस्थायी उपाय किए,स्थायी समाधान पर ध्यान नहीं दिया।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल-

इस पूरे मामले में स्थानीय पार्षद की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, आरोप है कि पार्षद दूसरे वार्ड से हैं, क्षेत्र की समस्याओं पर उनका ध्यान कम है, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं भी बदहाल हैं, लोगों का कहना है कि अगर जनप्रतिनिधि सक्रिय होते, तो समस्या इतनी गंभीर नहीं होती।

गली में अन्य समस्याएं भी गंभीर-

सिर्फ सांड का आतंक ही नहीं, बल्कि गली में कई अन्य समस्याएं भी हैं साफ-सफाई की कमी, कचरे का ढेर, जल निकासी की समस्या ये सभी स्थितियां मिलकर क्षेत्र की जीवनशैली को और कठिन बना रही हैं।

प्रशासनिक लापरवाही या संसाधनों की कमी?

- इतने लंबे समय से समस्या होने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
- क्या नगर निगम के पास पशु पकड़ने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है?
- क्या शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया? स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

स्थानीय लोगों का गुस्सा और मांग

लगातार बढ़ते खतरे और प्रशासन की निष्क्रियता से लोगों में आक्रोश है, उन्होंने प्रशासन से मांग की है की सांड को तुरंत पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए,क्षेत्र में नियमित निगरानी की व्यवस्था हो,घायल लोगों को उचित मुआवजा दिया जाए,गली की साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाएं सुधारी जाएं,जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय हो।

शहरी क्षेत्रों में बढ़ती आवारा पशु समस्या

अंबिकापुर की यह घटना केवल एक गली तक सीमित नहीं है,देश के कई शहरों में आवारा पशुओं की समस्या तेजी से बढ़ रही है, सड़कों पर घूमते मवेशी दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं,नगर निकायों के पास सीमित संसाधन,पशुपालकों की लापरवाही भी एक कारण,यह एक व्यापक शहरी समस्या बन चुकी है,जिसके लिए दीर्घकालिक योजना जरूरी है।

संभावित खतरा: बड़ी दुर्घटना की आशंका

अगर समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया,तो किसी की जान भी जा सकती है, बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरा बढ़ सकता है,क्षेत्र में दहशत और बढ़ेगी, यह केवल एक चेतावनी नहीं,बल्कि संभावित आपदा का संकेत है।

गली में सांड का आंतक

कब जागेगा सिस्टम?

अंबिकापुर की दादा गली में सांड का यह आतंक अब केवल एक स्थानीय समस्या नहीं रहा, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक बन गया है, लोग डरे हुए हैं, घायल हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार चुप हैं, अब सवाल यही है क्या प्रशासन समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान करेगा? या फिर लोग इसी तरह डर के साए में जीने को मजबूर रहेंगे?

म्यूल अकाउंट गिरोह का भंडाफोड़,3 आरोपी गिरफ्तार

101 पासबुक,35 एटीएम सहित लाखों की ठगी का नेटवर्क उजागर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए म्यूल अकाउंट के जरिए धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कमीशन के लालच में युवाओं के बैंक खाते और एटीएम लेकर उन्हें अवैध लेन-देन में इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 101 पासबुक,35 एटीएम कार्ड,28 चेकबुक,3 मोबाइल,3 सिम कार्ड और 1 लाख 36 हजार रुपए नगद जब्त किए हैं। थाना गांधीनगर पुलिस को 19 मार्च को सूचना मिली कि बनारस रोड स्थित एक भवन में किराए पर रह रहा युवक राहुल गुप्ता अवैध रूप से बैंक खाते खुलवाकर बेच रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा,जहां से बड़ी मात्रा में बैंक दस्तावेज और नगदी बरामद हुई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि राहुल गुप्ता अपने साथी विकास किर्तनिया और आशुतोष शर्मा के साथ मिलकर युवाओं को लालच देकर उनके नाम से सिम और बैंक खाते खुलवाता था। बाद में इन खातों में साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर कर अवैध लाभ कमाया जाता था। तीनों आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने इनके खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया,जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई डीआईजी एवं एसएसपी के निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा की गई। मामले की जांच अभी जारी है।

1 किलो गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

ग्राम रनपुर खुर्द में लंबे समय से चल रही गांजा बिक्री की शिकायत पर आबकारी उडऩदस्ता टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने छापेमारी कर 950 ग्राम गांजा जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रनपुर खुर्द के ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि गांव में नूर मोहम्मद और उसके बेटे जफर व सफर द्वारा गांजा बेचा जा रहा है, जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। शिकायत की पुष्टि होने के बाद आबकारी टीम ने शुक्रवार सुबह नूर मोहम्मद के घर दबिश दी। छापेमारी के दौरान घर पर मोहम्मद सफर मौजूद मिला। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 950 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ए) के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि आरोपी का परिवार लंबे समय से गांजा बिक्री में संलिप्त रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सरगुजा जिला प्रवास पर रहेंगे

संभाग स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक 2026 शुभारंभ कार्यक्रम एवं राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेला 2026 कार्यक्रम में होंगे शामिल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज 21 मार्च को सरगुजा जिला प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री सुबह 10:30 बजे मुख्यमंत्री निवास सिविल लाईन रायपुर से प्रस्थान कर 10:35 बजे पुलिस ग्राउण्ड हेलीपेड रायपुर पहुंचकर 10:40 बजे अम्बिकापुर के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका 11:50 बजे अंबिकापुर के केन्द्रीय विद्यालय मैदान हेलीपेड में आगमन होगा,इसके पश्चात यहां से निकलकर 12:00 बजे पी. जी. कॉलेज ग्राउंड पहुंचकर संभाग स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक 2026 शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात 01:00 से 01:30 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। पी. जी. कॉलेज ग्राउंड से निकलकर मुख्यमंत्री 01:40 बजे कृषि विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में पहुंचकर राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेला 2026 कार्यक्रम में शामिल होंगे। तत्पश्चात वे 02:30 बजे कृषि विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र अम्बिकापुर से प्रस्थान कर 02:40 बजे केन्द्रीय विद्यालय मैदान हेलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा सूरजपुर जिले के लिए रवाना होंगे।

कलेक्टर एवं एसपी ने कार्यक्रम स्थलों का जायजा लिया

सरगुजा ओलम्पिक 2026 के सम्बंध में कलेक्टर अजीत वसंत एवं पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। उन्होंने मंचीय व्यवस्था, बैठक व्यवस्था,कार्यक्रम स्थल में एंट्री,ग्रीन रुम, खेल मैदान का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पार्किंग, आवागमन, आमजनों हेतु पेयजल,शौचालय,सुरक्षा व्यवस्था की भी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय विद्यालय में हेलीपैड स्थल का भी अवलोकन किया एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेला की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने स्टॉल,ऑडिटोरियम का अवलोकन कर जरुरी निर्देश दिए। इस दौरान आईपीएस राहुल बंसल,जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल,अपर कलेक्टर सुनील नायक, अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कवि संगम के तत्वावधान में हुआ भव्य कवि सम्मेलन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय कवि संगम इकाई अंबिकापुर के तत्वावधान में इन्द्रवाटिका में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के साहित्य प्रेमियों की अच्छी खासी उपस्थिति रही और कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया। कार्यक्रम की शुरुआत निर्धारित समय दोपहर 3 बजे मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद कृष्णकांत पाठक ने सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सपन सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं संरक्षक बीडी लाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्यामबिहारी पाण्डेय,डॉ. योगेन्द्र सिंह गहरवार,डॉ. पुष्पा सिंह, प्रेरणा, पूनम पाण्डेय,रंजीत सारथी, अंजू पाण्डेय,निष्ठा पाण्डेय,अंचल ओझा,अंजनी कुमार, गीता दुबे, रविन्द्र तिवारी,ममता चौहान,विनोद हर्ष, प्रकाश कश्यप,प्रताप पाण्डेय, देवेन्द्र दुबे और सौम्या सोनी सहित अन्य कवियों ने अपनी-अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संचालन राजेश पाण्डेय (संभागाध्यक्ष) एवं राजलक्ष्मी पाण्डेय (जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय कवि संगम सरगुजा) द्वारा किया गया।

5 सूत्रीय मांगों को लेकर पेंशनर समाज ने किया धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज, जिला सरगुजा ने पेंशनरों की लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को एसबीआई कलेक्टोरेट शाखा के सामने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महंगाई राहत,लंबित एरियर सहित पांच प्रमुख मांगों के त्वरित निराकरण की मांग की गई है। पेंशनर्स समाज ने बताया कि इन मांगों को लेकर लंबे समय से शासन-प्रशासन से पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से पेंशनरों में नाराजगी बढ़ रही है। ज्ञापन में कहा गया है कि पेंशन भुगतान के लिए मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच सहमति लेने की प्रक्रिया को समाप्त किया जाए, जिससे वर्षों से लंबित भुगतान में तेजी आ सके। इसके साथ ही महंगाई राहत 1 जनवरी और 1 जुलाई से लागू करने, छठवें वेतनमान के 32 माह तथा सातवें वेतनमान के 27 माह के एरियर का भुगतान करने की मांग की गई है। पेंशनर्स समाज ने पेंशनर्स कल्याण निधि से चिकित्सा व्यय का भुगतान और मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा लागू करने की भी मांग उठाई है।

रमजान के अंतिम जुम्मे पर पढ़ा गया नमाज,आज मनाई जाएगी ईद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

रमजान माह के अंतिम जुम्मे पर शुक्रवार को शहर की मस्जिदों में बड़ी संख्या में सामाज के लोगों ने नमाज अदा की। मस्जिदों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और नमाज के दौरान देश-प्रदेश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी गई। जामा मस्जिद सहित शहर की प्रमुख मस्जिदों में विशेष इंतजाम किए गए थे। नमाज को लेकर प्रशासन भी अलर्ट रहा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था भी सुचारु रखी गई, जिससे नमाजियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मौलानाओं ने अपने संदेश में रमजान के पाक महीने की अहमियत बताते हुए आपसी भाईचारे, सद्भाव और इंसानियत का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से समाज में शांति बनाए रखने और जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की। वहीं, चांद दिखने के साथ ही शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा। ईद को लेकर मुस्लिम समाज में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बाजारों में खरीदारी तेज हो गई है और लोग नए कपड़े, सेवईं व अन्य जरूरी सामान की खरीदारी में जुटे हैं। ईद के दिन सुबह शहर की विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद लोग एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देंगे।

CMYK

खड़गवां के जंगलों में धधकता संकट...आग बेकाबू,वन अमला बेखबर !

खड़गवां के जंगल धधके,वन विभाग सोया...आग ने खोली सिस्टम की पोल

जंगल जलते रहे,जिम्मेदार मौज में-खड़गवां में लापरवाही की आग बेकाबू

- आग ने उजागर की सच्चाई, फायर वाचर गायब, वन अमला बेखबर
- खड़गवां में जंगल राख, अफसर खामोश, कुंभकर्णी नींद में वन विभाग

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां (एमसीबी),20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

खड़गवां वन परिक्षेत्र के जंगल इन दिनों भयंकर आग की चपेट में हैं, कई दिनों से लगातार धधक रही आग ने अब विकराल रूप ले लिया है, आग की लपटें न केवल हरे-भरे जंगलों को निगल रही हैं, बल्कि वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं,स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सिर्फ एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और उदासीनता का परिणाम है।

आग का तांडव: जंगल बन रहे राख का मैदान- खड़गवां के विभिन्न बीट क्षेत्रों में आग लगातार फैल रही है, सूखे पत्तों और तेज हवाओं ने आग को और भड़काने का काम किया, जिससे आग तेजी से एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में फैल गई, कई हेक्टेयर वन क्षेत्र जलकर खाक हो गया, धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहा है, ग्रामीणों के अनुसार, आग एक-दो दिन की नहीं, बल्कि कई दिनों से धीरे-धीरे सुलग रही थी, जिसे समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया।

सबसे बड़ा सवाल-फायर वाचर आखिर कहां हैं?

वन विभाग द्वारा हर साल गर्मियों में जंगलों की सुरक्षा के लिए फायर वाचर तैनात किए जाते हैं, इनका काम होता है जंगलों की लगातार निगरानी,आग लगते ही तत्काल सूचना देना,शुरुआती स्तर पर आग पर नियंत्रण करना,लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में फायर वाचर मौके पर नजर नहीं आए,आग की सूचना देने में देरी हुई, शुरुआती नियंत्रण पूरी तरह नदारद रहा अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या फायर वाचर सिर्फ कागजों और फाइलों तक सीमित हैं?

कुंभकर्णी नींद में वन विभाग

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जब जंगल जल रहे थे,तब वन विभाग का अमला या तो मौके से गायब था या फिर बेहद देर से सक्रिय हुआ,कई जगह आग फैलने के बाद ही अधिकारी पहुंचे,पर्याप्त संसाधन और मानवबल का अभाव दिखा,नियंत्रण के प्रयास कमजोर और असंगठित रहे, यह स्थिति दर्शाती है कि विभाग संकट प्रबंधन में पूरी तरह विफल साबित हो रहा है।

वन संपदा पर भीषण प्रहार

इस भीषण आग ने केवल पेड़ों को नहीं,बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाया है, प्रभावित क्षेत्र में हरे-भरे वृक्ष और पौधे जलकर राख,औषधीय जड़ी-बूटियों का विनाश,मिट्टी की उर्वरता पर नकारात्मक प्रभाव,वन्य जीवन पर संकट छोटे जीव-जंतु आग में झुलस गए,पक्षियों के घोंसले नष्ट,बड़े वन्य जीवों का पलायन,यह नुकसान आने वाले वर्षों तक पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित करेगा।

क्या भ्रष्टाचार ने बुझा दी जिम्मेदारी?

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि वन अमला परसा कोल ब्लॉक से जुड़े निर्माण कार्यों में ज्यादा व्यस्त है,यदि यह आरोप सही हैं, तो यह बेहद गंभीर मामला है क्या जंगलों की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है? क्या प्राथमिकता 'वन संरक्षण' नहीं बल्कि 'निर्माण और कमीशन' बन चुकी है? यह सवाल सीधे तौर पर विभाग की नीयत और प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हैं।

प्रशासन के सामने खड़े तीखे सवाल

- फायर वाचरों की तैनाती के बावजूद वे मौके पर क्यों नहीं दिखे?
- आग लगने के बाद तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
- क्या किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी?
- क्या इस मामले की निष्पक्ष जांच होगी?

स्थानीय लोगों का आक्रोश और मांग...

ग्रामीणों और क्षेत्रीय नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है,उन्होंने प्रशासन से मांग की है तत्काल प्रभाव से आग बुझाने के लिए विशेष दल भेजे जाएं, फायर वाचरों की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित की जाए,दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई हो,भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस रणनीति बनाई जाए।

सिस्टम की कमजोरी उजागर

यह घटना सिर्फ एक आग नहीं,बल्कि पूरे सिस्टम की पोल खोलने वाली घटना बन गई है निगरानी तंत्र कमजोर, जिम्मेदारी तय नहीं, संसाधनों का सही उपयोग नहीं, जवाबदेही का अभाव, अगर यही स्थिति रही,तो हर साल जंगल इसी तरह जलते रहेंगे और विभाग सिर्फ रिपोर्ट बनाता रह जाएगा।

जंगल ही नहीं, व्यवस्था भी जल रही है...

खड़गवां के जंगलों में लगी आग अब एक चेतावनी बन चुकी है यह सिर्फ पेड़ों को नहीं जला रही,बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता को भी उजागर कर रही है, अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या प्रशासन इस आग को बुझाने के साथ-साथ जिम्मेदारों पर कार्रवाई करेगा? या फिर यह मामला भी धुएं की तरह हवा में उड़ जाएगा?

धर्मांतरण विरोधी कानून पर भाजपा अजजा मोर्चा का स्वागत

घड़ी चौक पर कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी,बताया ऐतिहासिक निर्णय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, सरगुजा ने धर्मांतरण विरोधी कानून का स्वागत करते हुए घड़ी चौक पर खुशी जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया। जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह कानून आदिवासी समाज की अस्मिता और संस्कृति की रक्षा के लिए जरूरी है। महापौर मंजूषा भगत ने इसे महिलाओं और कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षा का महत्वपूर्ण कदम बताया। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि इस कानून से जबरन धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगेगी और समाज में जागरूकता बढ़ेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिपेट के तहत 'इंडस्ट्रियल इंटरैक्शन मीट' संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र,सरगुजा द्वारा सिपेट के सहयोग से 'इंडस्ट्रियल इंटरैक्शन मीट' एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल ग्रांड राधेश्याम,नया बस स्टैण्ड के पास, अम्बिकापुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम श कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ टी.आर. कश्यप, मुख्य महाप्रबंधक,जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सरगुजा,कौन्तेय जायसवाल,सदस्य एम.एस .ई.एफ.सी. एवं उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ लघु एवं सहायक उद्योग संघ,हरविन्द अग्रवाल, अध्यक्ष राइस मिल संघ सरगुजा, रणधीर सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक Central Bank of

India तथा कलवंत गोयल, अध्यक्ष सूरजपुर जिला उद्योग संघ के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में दीपेन्द्र यादव, लीड जिला प्रबंधक, संतोष सिंह, अध्यक्ष सी.ए. संघ तथा सी.ए. अरिहंत बोथरा सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अश्विनी शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यशाला में जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स एवं प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर CIPET Korba से आए तकनीकी अधिकारी डॉ. दिवेश मेश्राम द्वारा प्लास्टिक उद्योग से संबंधित आधुनिक तकनीकों, औद्योगिक आवश्यकताओं तथा सिपेट द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी सहायता पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्लास्टिक एवं पेट्रोकेमिकल्स आधारित उद्योगों की स्थापना, उनसे जुड़ी संभावनाएं, चुनौतियां एवं समाधान पर पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही सिपेट कोरबा के तकनीकी सहायक जगमोहन बेहरा एवं भावेश प्रजापति द्वारा विभिन्न प्लास्टिक उत्पादों एवं मॉडलों का प्रदर्शन भी किया गया।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई,1 लाख रिश्वत लेते कर्मचारी गिरफ्तार

2 लाख की मांग,'एंटी करप्शन में पहुंच' बताकर लिपिक को किया था ब्लैकमेल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने घड़ी चौक में बड़ी कार्रवाई करते हुए दरिमा तहसील में पदस्थ कर्मचारी अनिल कुमार गुप्ता को 1 लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी शिक्षा विभाग के एक लिपिक से 2 लाख रुपए की मांग कर रहा था। जानकारी के अनुसार,जिला शिक्षा कार्यालय में पदस्थ लिपिक अखिलेश सोनी को आरोपी ने अपने झांसे में लिया और एंटी करप्शन में अपनी पहुंच होने का दावा किया। आरोपी ने कहा कि वह कार्रवाई से बचा सकता है,इसके एवज में 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगी गई। पीड़ित लिपिक ने इसकी शिकायत एसीबी से की। इसके बाद टीम ने योजना बनाकर घड़ी चौक पर जाल बिछाया और जैसे ही आरोपी ने 1 लाख रुपए की रिश्वत ली, उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

ब्लैकमेल कर वसूल रहा था रकम

एसीबी अधिकारियों के अनुसार,आरोपी अपनी पहचान का दुरुपयोग कर लोगों को डराता था और कार्रवाई से बचाने के नाम पर पैसे मांगता था। फिलहाल आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

मैनपाट में पीएम जनमन सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित,शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिले के मैनपाट विकासखण्ड में पीएम-जनमन योजना अंतर्गत कुनिया से मूसाखोल तक 8.16 किलोमीटर लंबाई की सड़क में डामरीकरण कार्य प्रगतिरत है। उक्त सड़क के एक हिस्से में डामरीकरण कार्य उखड़ने संबंधी शिकायत ग्रामीणों द्वारा प्राप्त होने पर संबंधित विभाग द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सड़क के आर.डी. 2900 मीटर

पर एक मोड़ के पास डब्ल्यूएमएम सतह पर लगभग 5 मीटर लंबाई में सोल्डर की मिट्टी आ जाने एवं उचित साफ-सफाई नहीं होने के कारण 5-6 मीटर क्षेत्र में डामरीकरण कार्य क्षतिग्रस्त हो गया था। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित ठेकेदार को सुधार कार्य के निर्देश दिए गए। ग्रामवासियों की उपस्थिति में क्षतिग्रस्त हिस्से को उखाड़कर पुनः गुणवत्तापूर्ण डामरीकरण कार्य कराया गया, जिससे ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण में शेष सड़क कार्य गुणवत्तापूर्ण पाया गया। कार्य में पाई गई त्रुटि के संबंध में संबंधित ठेकेदार एवं इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

अब प्लास्टिक वेस्ट से चमकेंगी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन की दिशा में नवाचार किया गया है। जिले में अब प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण के लिए किया जा रहा है। इस नवाचार के तहत मैनपाट क्षेत्र में पहली ऐसी प्रयोगात्मक सड़क का निर्माण किया गया है, जिसमें बिटुमिन (डामर) के साथ प्लास्टिक कचरे का मिश्रण किया जा रहा है। बतौली विकासखंड के सुवारपारा में स्थित प्लांट में गिट्टी और डामर के मिश्रण में प्लास्टिक वेस्ट मिलाया जा रहा है, ये प्लास्टिक वेस्ट स्वच्छ भारत मिशन के तहत हो रहे कचरा कलेक्शन से इकट्ठा हुए प्लास्टिक को दरिमा स्थित एसआरएफ सेंटर से पीएमजीएसवाई विभाग द्वारा खरीदा जाता है और सडक निर्माण में लगे ठेकेदार इसका उपयोग सडक निर्माण में कर रहे हैं। प्लास्टिक वेस्ट कभी शहर और पर्यावरण के लिए एक मुसीबत हुआ करता था आज वही कचरा कमाई का साधन बन चुका है. स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत काम कर रही समूह की महिलाएं इस वेस्ट से पैसे कमा रही हैं. प्लास्टिक वेस्ट को पहले बाजार में 15 से 20 रुपये किलो का ही रेट मिल पाता था, लेकिन जिला प्रशासन के प्रयास से सडक निर्माण के लिए इस प्लास्टिक वेस्ट को 25 रुपये किलो खरीदा जाएगा जिससे महिलाओं की आमदनी भी बढ़ेगी।

विश्व गौरैया दिवस : पक्षी संरक्षण का दिया संदेश,एडजुटेंट स्टॉर्क को नया जीवन

संजय वन वाटिका में उपचार के बाद सुरक्षित विमोचन,वन विभाग की पहल सराही गई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

विश्व गौरैया दिवस पर वनमंडल सरगुजा ने पक्षी संरक्षण का संदेश देते हुए आमजन से प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की अपील की। इस अवसर पर संजय वन वाटिका में रेस्क्यू किए गए एडजुटेंट स्टॉर्क का सफलतापूर्वक विमोचन किया गया। वन विभाग के अनुसार, यह दुर्लभ पक्षी होली के दिन उदयपुर क्षेत्र से घायल अवस्था में रेस्क्यू किया गया था। संजय वन वाटिका में उपचार और देखरेख के बाद पक्षी पूरी तरह स्वस्थ हो

गया। इसके बाद वन्यजीव विशेषज्ञों की निगरानी में उसे प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। वनमंडलाधिकारी अभिषेक जोगावत ने कहा कि गौरैया सहित सभी पक्षी पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि घरों में दाना-पानी रखें, पेड़-पौधों का संरक्षण करें और पक्षियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाएं।

CMYK

जंगलों में आग, दफ्तरों में हिसाब... किसे बचा रहा वन विभाग?

फायर वाचर गायब, अधिकारी व्यस्त–तीन जिलों में जंगल जलकर राख, बिल पास करने में तेजी, आग बुझाने में सुस्ती–वन विभाग कटघरे में

प्रभावित क्षेत्रः आग की चपेट में कई रेंज

आग का दायरा इतना विस्तृत है कि इसने दोनों जिलों के कई प्रमुख वन क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया हैः

सूरजपुर जिला

कोरिया सीमा से लगे सुरजपुर के किरवाही वनगवां और छतरँग के घने जंगलों में आग ने भारी तबाही मचाई है,वन्यजीवों पर संकट और पर्यावरण को क्षति पहुची है।

कोरिया जिला

जोगिया कछाड़ी रेगुलर फॉरेस्ट क्षेत्र के अलावा चंदहा गिधेर क्षेत्र के जंगलों में आग देखी गई है,वही तर्रा बसेर के जंगल भी प्रभावित बताए जा रहे है।

एमसीबी जिला

बड़गांव कला,बिहारपुर रेंज के जंगल, मनियारी से कोटाडोल मार्ग पर आग की जानकारी मिली है,स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आग लगने के कारण धुआं इतना घना है कि आसपास के गांवों दूर से ही धुंआ दिखाई देने लगा था,जंगलों में रहने वाले जंगली जानवर भी अपनी जान बचाने के लिए रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर सकते हैं,जिससे मानव-वन्यजीव द्वंद्व की स्थिति पैदा होने की आशंका है, सूखे पत्तों और तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैल रही है। छोटे पौधे तो नाममात्र भी नहीं बचे हैं।

-न्यूज डेस्क-

कोरिया-सूरजपुर-एमसीबी, 20 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के कोरिया,सूरजपुर और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिलों के जंगल इन दिनों भीषण आग की चपेट में हैं,यह सिर्फ एक मौसमी वनाग्नि नहीं,बल्कि एक गहरी प्रशासनिक बीमारी का लक्षण बनकर सामने आई है,इस इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में हमने जमीनी हालात, स्थानीय लोगों के बयान, विभागीय गतिविधियों, पर्यावरणीय नुकसान और सिस्टम की कमजोरियों का विस्तृत विश्लेषण किया है। बता दे की छत्तीसगढ़ के कोरिया और सूरजपुर जिले की सीमा पर स्थित जंगलों में इन दिनों आग का तांडव देखने को मिल रहा है, बीते कुछ दिनों से लगी इस भीषण आग ने न केवल बेशकीमती वन संपदा को राख में तब्दील कर दिया है, बल्कि जैव विविधता के लिए भी बड़ा संकट पैदा कर दिया है।

बर्बादी का मंजरः राख हुए भविष्य के वृक्ष

क्षेत्र से मिल रही जानकारी के अनुसार,इस आग की सबसे ज्यादा मार नन्हे पौधों (नवांकुरों) पर पड़ी है। हाल के वर्षों में उगे छोटे पौधे पूरी तरह जलकर खाक हो गए हैं,जिससे भविष्य के जंगल का आधार ही खत्म हो गया है। इसके अलावा,बड़े पेड़ों के निचले हिस्सों को भी गंभीर क्षति पहुंची है,जिससे उनके सूखने का खतरा बढ़ गया है।

गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व पर मंडराया संकट

सबसे दुखद और डराने वाली खबर गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व से आ रही है,पार्क परिक्षेत्र सोनहत रिहन्द के जंगलों में भी भीषण आग की जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि यह आग कछाड़ी क्षेत्र और छतरँग के आगे के जंगलों तक फैल चुकी है।

वन्यजीवों का पलायन : जान पर बनी

टाइगर रिजर्व वन्यप्राणियों का सुरक्षित आशियाना माना जाता है,यहाँ बाघों के साथ-साथ भालू, तेंदुआ और हिरणों की बड़ी आबादी है,आग के कारण न केवल उनकी बसाहट जल रही है,बल्कि धुआं और गर्मी की वजह से जंगली जानवर सुरक्षित ठिकानों की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर पलायन कर रहे हैं,इससे मानव-वन्यजीव द्वंद्व की स्थिति पैदा होने का खतरा बढ़ गया है।

मनेंद्रगढ़ के बड़गांव कला मार्ग पर भी फैली आग

ताजा जानकारी के अनुसार, मनेंद्रगढ़ जिले के बड़गांव कला मार्ग पर स्थित जंगलों में भी भीषण आग की लपटें देखी जा रही हैं। मार्ग के किनारे स्थित वन क्षेत्रों में लगी इस आग से राहगीरों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धुएं के गुबार और बढ़ती गर्मी के कारण इस पूरे इलाके में वन संपदा को भारी नुकसान पहुँचने की खबर है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो यह आग रिहायशी बस्तियों तक पहुँच सकती है।

जंगल धधक रहे और अधिकारी मार्च की बिलिंग में व्यस्त

एक तरफ जहाँ जंगलों में आग लगी है और वन संपदा जलकर खाक हो रही है,वहीं वन विभाग के आला अधिकारी और कर्मचारी फील्ड से नदारद हैं। सूत्रों की मानें तो अधिकारी इस समय मार्च क्लोजिंग और बिलों के भुगतान के काम में व्यस्त हैं, बजट खपाने और कागजी खानापूर्ति की होड़ में किसी का ध्यान धधकते पेड़ों और बेजुबान जानवरों की ओर नहीं है। शायद यही वजह है कि जंगलों में न तो गश्त बढ़ाई गई और न ही आग बुझाने के पुख्ता इंतजाम किए गए। अधिकारियों की यह ऑफिस वाली व्यस्तता प्रकृति पर भारी पड़ रही है।

सिस्टम फेल,इंद्र देव ने बचाई लाज

जहाँ एक ओर जंगल घंटों धधकते रहे,वहीं वन विभाग की मुस्तैदी के दावों की पोल खुल गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि आग लगने के दौरान फायर वाचर मौके से पूरी तरह नदारद रहे। घंटों तक जंगल जलता रहा, लेकिन विभाग का कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति सुध लेने नहीं पहुँचा, अंततः जब मानवीय तंत्र विफल हो गया, तब इंद्र देव ने वनों की पुकार सुनी,क्षेत्र में हुई अचानक बारिश ने धधकती लपटों को शांत किया और आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि,बारिश होने से पहले ही एक बड़े हिस्से की वन संपदा जलकर खाक हो चुकी थी। यह विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बड़ा सवालिया निशान है।

प्रतापपुर में गैस पर 'गैस' नहीं,गड़बड़ी का धुआं!

उपभोक्ताओं के नाम पर फर्जी सिलेंडर उठान,190 रुपये का पाइप जबरन थोपने का आरोप

-सोनू कश्यप-

प्रतापपुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)। नगर पंचायत प्रतापपुर में रसोई गैस को लेकर हालात अब त्राहि-त्राहि की स्थिति में पहुंच चुके हैं। एक ओर जहां उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा,वहीं दूसरी ओर अब फर्जीवाड़े का ऐसा मामला सामने आया है जिसने पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि आम उपभोक्ता अब मजबूरी में महंगे दामों पर गैस खरीदने को विवश हो रहे हैं।

वार्ड क्रमांक 6 निवासी महेंद्र गुप्ता के साथ जो हुआ, वह न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह संकेत भी देता है कि कहीं न कहीं गैस वितरण में बड़ा खेल चल रहा है। जब महेंद्र गुप्ता अपनी गैस भरवाने एजेंसी पहुंचे,तो उन्हें KYC अपडेट न होने का हवाला देकर लौटा दिया गया। लेकिन जैसे ही उन्होंने KYC प्रक्रिया पूरी कराई, एजेंसी के रिकॉर्ड ने जो खुलासा किया, वह हैरान कर देने वाला था।

रिकॉर्ड में दर्ज था कि उनके नाम पर 24 फरवरी को गैस सिलेंडर पहले ही उठाया जा चुका है। जबकि महेंद्र गुप्ता का साफ कहना है कि उन्होंने आखिरी बार जुलाई 2025 में ही गैस लिया था और उसके बाद से कोई सिलेंडर नहीं उठाया। यहीं नहीं, एजेंसी के रिकॉर्ड

में दर्ज मोबाइल नंबर भी उनका नहीं था। जब उस नंबर पर संपर्क किया गया,तो वह किसी होटल संचालक का निकला। इससे यह आशंका और गहरी हो जाती है कि उपभोक्ताओं के नाम पर फर्जी तरीके से गैस सिलेंडर उठाकर कहीं और खपाया जा रहा है।

यह मामला अकेला नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की गड़बड़ी कई उपभोक्ताओं के साथ हो रही है, लेकिन डर या जानकारी के अभाव में लोग खुलकर सामने नहीं आ पा रहे हैं। इससे यह अंदेशा और मजबूत होता है कि गैस एजेंसी स्तर पर संगठित तरीके से फर्जीवाड़ा कर गैस की कालाबाजारी की जा रही है।

स्थिति को और गंभीर बनाते हुए एक और बड़ा आरोप सामने आया है। नए गैस उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के दौरान 190 रुपये का पाइप जबरन थमाया जा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि वे पाइप लेने से इनकार करते हैं,तो उन्हें सिलेंडर देने से साफ मना कर दिया जाता है। जब इस संबंध में डीलर से सवाल किया गया, तो उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि ऊपर से ही ऐसा आदेश मिला हुआ है।÷ इस जबरदस्ती से उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी है और इसे खुलेआम वसूली का जरिया बताया जा रहा है। इधर, प्रतापपुर क्षेत्र में पहले से ही गैस की भारी किल्लत बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां 45 दिनों के अंतराल पर सिलेंडर मिल रहा है,वहीं शहरी क्षेत्रों में भी 25 दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में जब आम उपभोक्ता लाइन में लगकर भी गैस नहीं पा रहे,वहीं दूसरी ओर होटलों को तत्काल गैस सिलेंडर उपलब्ध हो जाना कई सवाल खड़े करता है। इससे यह आशंका और गहराती है कि आम जनता की जरूरतों को नजरअंदाज कर व्यावसायिक उपयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। गैस की इस किल्लत,फर्जीवाड़े और जबरन वसूली ने मिलकर लोगों का गुस्सा अब उबाल पर पहुंचा दिया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द ही इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई,तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गैस एजेंसी के पूरे रिकॉर्ड की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

इस पूरे मामले पर फूड इंस्पेक्टर शशि जायसवाल ने भी गंभीरता दिखाई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी उपभोक्ता के नाम पर कोई अन्य व्यक्ति गैस उठा रहा है, तो यह पूरी तरह से गलत और दंडनीय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी तेजी और निष्पक्षता से कार्रवाई करता है, क्योंकि फिलहाल प्रतापपुर की जनता गैस की कमी, फर्जीवाड़े और जबरन वसूली के तीनहरे संकट से जूझ रही है–जहां रसोई की आग जलाना भी अब एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

इस पूरे मामले पर फूड इंस्पेक्टर शशि जायसवाल से चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि,यह जानकारी मुझे आपके माध्यम से प्राप्त हो रही है। यदि ऐसा हो रहा है तो यह पूरी तरह से गलत है और ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। मामले की जांच कराई जाएगी और यदि जांच में शिकायत सही पाई जाती है,तो उचित कार्रवाई के लिए प्रकरण उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा।

मुकेश गर्ग बने भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सरगुजा संभाग प्रभारी

-संवाददाता-

सूरजपुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार के तहत व्यापार प्रकोष्ठ में नई नियुक्ति की गई है, पार्टी नेतृत्व द्वारा वरिष्ठ कार्यकर्ता मुकेश गर्ग को भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ का संभाग प्रभारी नियुक्त किया गया है,इस नियुक्ति के बाद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं व्यापारिक संगठनों में हर्ष का माहौल है,पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मुकेश गर्ग को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में व्यापार प्रकोष्ठ और अधिक सशक्त होगा। मुकेश गर्ग लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं इससे पूर्व में व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक,भाजपा के मंडल अध्यक्ष से लेकर जिला प्रदेश में विभिन्न पदो पर रहे हैं, और व्यापारियों की समस्याओं को उठाने के लिए निरंतर कार्य करते रहे हैं, उनकी नियुक्ति से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, नवनियुक्त संभाग प्रभारी मुकेश गर्ग ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे व्यापारियों के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।सरगुजा संभाग के सभी छः जिलों का दौरा कर केंद्र व राज्य सरकार के द्वारा व्यापारियों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को बताते हुए उनकी समस्याओं से भी रूबरू होकर सरकार तक उनकी बात पहुँचाने का प्रयास करेंगे, श्री गर्ग वर्तमान में जिला भाजपा प्रवक्ता नगर पालिका परिषद में पार्षद व जिला योजना समिति के सदस्य भी हैं।

अरविंद जायसवाल बने भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक

-संवाददाता-

प्रतापपुर,20 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला सूरजपुर के व्यापार प्रकोष्ठ में संगठनात्मक विस्तार के तहत अरविंद जायसवाल को जिला सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। पार्टीजनों ने विश्वास जताया है कि अरविंद जायसवाल संगठन की विचारधारा,सिद्धांतों एवं मूल्यों के अनुरूप कार्य करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। उनके अनुभव, समर्पण और सक्रियता से व्यापार प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। नवीन दायित्व मिलने पर उन्हें बधाई देते हुए सभी ने उनके सफल,सक्रिय एवं जनसेवा से परिपूर्ण कार्यकाल की कामना की है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता

लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि - 17.03.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- पत्थलगांव संभाग
03. स.क्र. 1 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्र. 1 - 02.04.2026

स0 क्र0	एन.आई.टी. क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	218	जिला जशपुर के ग्राम पंचायत करांबेवरा में पखनापारा माड़ो गुफा पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	186.36

जी नंबर-252607283/3

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिकापुर मण्डल अम्बिकापुरी

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुमेर नायक आ0 संतराम जाति घसिया उम्र 55 वर्ष निवासी- ग्राम खाराकोना तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन पेश कर अवगत कराया गया है कि उसके संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 528/7, 685/6, 686/5, 708/7, 710 / 6, रकबा क्रमशः 0.0260, 0.1320, 0.0700, 0.1160, 0.0500 कुल खसरा नंबर 05 कुल रकबा 0.3940 हे0 ग्राम खाराकोना तहसील- लुण्ड्रा में स्थित है। आवेदक की उक्त भूमि में से खसरा नंबर 528/7 रकबा 0.0260, खसरा नंबर 686/5 रकबा 0.0700 हे0 भूमि के नक्शा में त्रुटि हो गयी है। उक्त वादभूमि में आवेदक अपने पिता दादा के समय से कब्जा कास्त कर कृषि कार्य करते चले आ रहा है। आवेदक के उक्त वादभूमि में नक्शा गलत करने के कारण से सीमांकन कार्य व मेढ बन्दी का कार्य करने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक के द्वारा उक्त वादभूमि खसरा नंबर 528/7 रकबा 0.0260 हे0 एवं खसरा नंबर 686/5 रकबा 0.0700 हे0 भूमि का नक्शा सुधार किये जाने का अनुरोध इस न्यायालय से किया है।,जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/04/2026 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा0) धौरपुर,सरगुजा

नाम परिवर्तन सूचना

मैं नेहा पुरिया आ. श्री राजेश पुरिया, आयु 35 वर्ष, निवासी हाई स्कूल रोड बौरीपारा अम्बिकापुर थाना व तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)।

यह कि, मैं अपना नाम नेहा पुरिया आ. श्री राजेश पुरिया के नाम से जानी व पहचानी जाती हूँ तथा मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम नेहा पुरिया दर्ज है सत्य व सही है। मेरी शादी दिनेश सिंह नामक व्यक्ति के साथ हुई थी जिस कारण मैं अपना नाम नेहा पुरिया के स्थान पर सरनेम सिंह लिखती थी तथा मेरा वर्ष 2016 में न्यायालय से विवाह विच्छेद होने के उपरांत अब मैं अपना नाम नेहा (सरनेम) सिंह को विलोपीत कर उसके स्थान पर पूर्व सरनेम सहित अपना नाम नेहा पुरिया लिखती एवं इसी नाम से जानी व पहचानी जाती हूँ।

मैं जिला कार्यालय कलेक्टोरेट अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) में सहायक ग्रेड-03 के पद पर पदस्थ हूँ जिस कारण मेरे सर्विस बुक/ रिकार्ड में अपना नाम सरनेम सहित नेहा पुरिया दर्ज करने हेतु स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत किया है।

सपथकर्ता
नेहा पुरिया आ. श्री राजेश पुरिया

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202603021700040 /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक परगन यादव आ. बोधाई, जाति बरगाह, निवासी ग्राम देवगढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम देवगढ़ स्थित भूमि खसरा न0 475/1, 646, 647, 648, 650, 678/5, 476/1 कुल खसरा नंबर 07 कुल रकबा 1.030 हे0 भूमि का अपने जीवन काल में खाता बटवारा कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 (क) के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/04/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 17/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

इको टूरिज्म कार्यशाला से मिला सतत विकास का संदेश,छात्रों को मिला नया दुष्टिकोण

इको टूरिज्म से सतत विकास का संदेश,छात्रों को मिला नया नजरिया

प्रेमनगर में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का मंत्र,पर्यटन से रोजगार की राह

संतुलित विकास की सीख,इको टूरिज्म कार्यशाला में छात्रों को नई दिशा

पर्यटन और पर्यावरण का संगम...प्रेमनगर कॉलेज में जागरूकता का संदेश

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

शासकीय नवीन महाविद्यालय, प्रेमनगर में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित पाँच दिवसीय इको टूरिज्म कार्यशाला के चौथे दिन का सत्र छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास के नए आयाम विषय पर केंद्रित रहा, यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी और व्यवहारिक दृष्टिकोण प्रदान करने वाला साबित हुआ, जिसमें पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

गरिमामय उपस्थिति में हुआ आयोजन

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे ने की, मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुखमनिया जगते तथा विशिष्ट अतिथि श्री आलोक साहू उपस्थित रहे,विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. अखिलेश द्विवेदी,डॉ. अखिलेश पाण्डे एवं श्री विनोद साहू ने अपने विचार साझा किए,कार्यक्रम का संचालन सह-संयोजक श्री हीरालाल सिंह ने प्रभावशाली ढंग से किया, कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ी राज्य गीत के सामूहिक गायन ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। अतिथियों का पारंपरिक रूप से तिलक,बैच और पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

छात्रों की सक्रिय भागीदारी बनी सफलता की कुंजी

कार्यशाला में पंजीकृत लगभग 50 प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे कार्यक्रम और अधिक प्रभावी बन सका, यह सत्र विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक और जागरूक पर्यटक बनने की प्रेरणा भी प्रदान कर गया।

इको टूरिज्म–भविष्य का संतुलित रास्ता-

यह कार्यशाला एक महत्वपूर्ण संदेश देकर गई विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं, यदि संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो पर्यटन न केवल आर्थिक विकास का माध्यम बन सकता है, बल्कि प्रकृति के संरक्षण का भी सशक्त साधन साबित हो सकता है।

पर्यावरण संरक्षण : हमारी जिम्मेदारी

स्वागत उद्बोधन में सुश्री रेखा जायसवाल ने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताते हुए कहा की पर्यटन का विकास तभी सार्थक है, जब वह प्रकृति के संतुलन को बनाए रखते हुए किया जाए,उन्होंने ग्रीन डेवलपमेंट की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए जिम्मेदार पर्यटन की आवश्यकता पर बल दिया।

पर्यटन में छिपे हैं रोजगार के अवसर

प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरगुजा संभाग के चुनिंदा महाविद्यालयों में इस कार्यशाला का आयोजन होना गर्व की बात है, उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं,युवाओं के लिए यह रोजगार का सशक्त माध्यम बन सकता है,स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता है,उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

विकास और संरक्षण के बीच संतुलन जरूरी

विशिष्ट अतिथि आलोक साहू ने स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा की पर्यटन विकास के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है,इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है,लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी की विकास के नाम पर यदि प्राकृतिक धरोहरों को नुकसान पहुंचाया गया, तो यह दीर्घकाल में गंभीर परिणाम देगा।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया इको टूरिज्म

मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश द्विवेदी ने पर्यटन और पर्यावरण के संबंध को वैज्ञानिक एवं संवैधानिक दृष्टिकोण से समझाया, पर्यावरण संरक्षण नागरिकों का मूल कर्तव्य है,पर्यटन स्थलों पर मानव गतिविधियों से संसाधनों पर दबाव बढ़ता है,अनियंत्रित विकास से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है,उन्होंने सस्टेनेबल टूरिज्म की अवधारणा स्पष्ट करते हुए कहा की हमें ऐसा पर्यटन मॉडल अपनाना चाहिए,जिसमें संसाधनों का संतुलित उपयोग हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रकृति सुरक्षित रहे।

पर्यटनः एक व्यापक उद्योग

विषय विशेषज्ञ विनोद साहू ने पर्यटन को रोजगार और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया पर्यटन केवल घूमना नहीं, बल्कि एक व्यापक उद्योग है,इसमें परिवहन,होटल प्रबंधन,गाइड सेवा,हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद शामिल हैं,छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों की भरमार है,उन्होंने विद्यार्थियों को स्वरोजगार और कौशल विकास की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मानव और प्रकृति का संतुलन

जरूरी संदेश- द्वितीय सत्र में डॉ. अखिलेश पाण्डे ने मानव और प्रकृति के संबंध पर गहन विचार रखे और कहा की अत्यधिक दोहन से जलवायु परिवर्तन और आपदाएं बढ़ रही हैं,जैव विविधता में कमी एक गंभीर खतरा है,उन्होंने कहा हमें प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए,जितनी हमारी आवश्यकता हो,न कि लालच के आधार पर, उन्होंने इको टूरिज्म को विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम बताया।

आभार और सम्मान के साथ समापन

कार्यक्रम के अंत में आयोजक सचिव हरिशंकर ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया, अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया,कार्यक्रम के सफल संचालन में रविशंकर उर्रे,मनबोध कुजूर,जयशंकर,अमित कुमार,शेषनन्दन टेकाम,डंकेश्वर वर्मन,सोनाली किंडो,पुनीता राजवाड़े,अन्नू सिंह,डॉ. संजय वर्मा,सुभिया सिंह,किशुन एवं चंद्रशेखर का सराहनीय योगदान रहा।

आज माँ कुदरगढ़ी धाम पहुंचेंगे मुख्यमंत्री

185 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 21 मार्च को सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़ का दौरा करेंगे, इस दौरान वे क्षेत्र के प्रसिद्ध और प्राचीन माँ कुदरगढ़ी धाम में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे, करीब 2000 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित माँ कुदरगढ़ी का मंदिर अंचल की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां हर वर्ष चैत्र नवरात्र के दौरान हजारों-लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, मुख्यमंत्री का यह दौरा धार्मिक आस्था के साथ-साथ विकास की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बता दे की अपने प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय जिलेवासियों को लगभग 185 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे, इसके तहत 52 कार्यों का लोकार्पण तथा 24 कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा। इन विकास कार्यों में सड़क निर्माण, भवन निर्माण, पेयजल योजनाएं, शिक्षा से जुड़े कार्य,जलाशय निर्माण और नगरीय अधोसंरचना के विकास जैसे महत्वपूर्ण प्रकल्प शामिल हैं,इन योजनाओं का क्रियान्वयन लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,नगरीय निकाय,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,जल संसाधन विभाग तथा उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय,दुर्ग के माध्यम से किया जाएगा, इन परियोजनाओं से क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं,कार्यक्रम स्थल पर मंच निर्माण,साज-सज्जा और आवश्यक व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं,सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है,ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके, यह दौरा सूरजपुर जिले के लिए विशेष महत्व रखता है,जहां एक ओर आस्था का केंद्र माँ कुदरगढ़ी धाम है,वहीं दूसरी ओर विकास की नई योजनाओं का शुभारंभ क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देगा, मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम धार्मिक और विकासात्मक दोनों दृष्टियों से जिले के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

चिरमिरी पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी सफलता

एटीएम से चलता था नशे का खेल!

चिरमिरी पुलिस ने तोड़ी अंतरराज्यीय तस्करी की कमर

-संवाददाता-
चिरमिरी,20 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

नशे के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम के बीच चिरमिरी पुलिस ने एक बड़ी और ऐतिहासिक सफलता हासिल की है, पुलिस ने अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय एक संगठित नशा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके मास्टरमाइंड समेत सभी 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है,इस कार्रवाई से न केवल क्षेत्र में फैले नशे के नेटवर्क को करारा झटका लगा है,बल्कि अपराधियों के बीच भी भय का माहौल बन गया है।

जेल भेजे गए सभी आरोपी,नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त

गिरफ्तार किए गए सभी 7 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और उन्हें जिला जेल बैकुंठपुर में रखा गया है,इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में नशे की सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है,अवैध कारोबार करने वालों को कड़ा संदेश मिला है, युवाओं को नशे के जाल में फंसाने वाले नेटवर्क की कमर टूट गई है।

पुलिस की रणनीति और टीमवर्क बना सफलता की कुंजी-

इस पूरे ऑपरेशन को पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक झा और पुलिस अधीक्षक एमसीबी रत्ना सिंह के निर्देशन में अंजाम दिया गया, चिरमिरी पुलिस ने सुनियोजित रणनीति, तकनीकी निगरानी और लगातार कार्रवाई के जरिए गिरोह की हर कड़ी को जोड़ते हुए उसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक, नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी थाना प्रभारी विजय सिंह के साथ-साथ पुलिस टीम के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बदलता अपराध और पुलिस की सख्ती-

यह मामला इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अपराधी अब नए-नए तरीकों से कानून को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं,ड्रग्स और डिजिटल ट्रांजेक्शन का इस्तेमाल कर नशे के कारोबार को चलाना इसका ताजा उदाहरण है, हालांकि, चिरमिरी पुलिस की इस कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि कानून व्यवस्था भी उतनी ही सजग और सक्षम है, संदेश साफ है नशे के कारोबारियों के लिए अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है।

हैदराबाद से जुड़ा था नेटवर्क,सरगुजा में होती थी सप्लाई

जांच में सामने आया कि यह गिरोह हैदराबाद से नशीले इंजेक्शन मंगवाकर सरगुजा संभाग के विभिन्न हिस्सों में उनकी सप्लाई करता था, यह पूरा नेटवर्क बेहद सुनियोजित तरीके से संचालित हो रहा था,जिसमें हर सदस्य की अलग भूमिका तय थी,गिरोह का संचालन इस तरह किया जा रहा था कि बाहरी राज्यों से माल लाकर स्थानीय स्तर पर उसे छोटे-छोटे नेटवर्क के माध्यम से खपाया जाता था।

एटीएम कार्ड बना नशे के कारोबार का हथियार

इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू तब सामने आया, जब पुलिस ने गिरोह की अंतिम कड़ी रंजीत कुमार विश्वकर्मा (40 वर्ष), निवासी नवादा,जिला गढ़वा को गिरफ्तार किया,रंजीत के पास से एक एटीएम कार्ड बरामद हुआ,जो वैंदला वासु (हैदराबाद) के नाम पर था। इसी ATM कार्ड के जरिए नशे के कारोबार से होने वाली रकम का लेन-देन किया जा रहा था,पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इस कार्ड से लगातार ट्रांजेक्शन किए जाते थे,अवैध कमाई को व्यवस्थित तरीके से निकाला जाता था, पूरा फाइनेंशियल नेटवर्क इसी माध्यम से संचालित हो रहा था, यह खुलासा इस बात का प्रमाण है कि अपराधी अब तकनीक और बैंकिंग सिस्टम का दुरुपयोग कर अपने नेटवर्क को और मजबूत बना रहे हैं।

मास्टरमाइंड रसल एक्का–पूरे नेटवर्क का सरगना

पूरे गिरोह का संचालन अंबिकापुर निवासी रसल एक्का कर रहा था,जो इस नेटवर्क का मास्टरमाइंड था, पुलिस जांच में सामने आया कि, ATM कार्ड रसल एक्का ने ही रंजीत को उपलब्ध कराया था, वही पूरे नेटवर्क की फाइनेंशियल गतिविधियों को नियंत्रित करता था, सरगुजा क्षेत्र में नशे की सप्लाई उसी के निर्देश पर होती थी,रसल एक्का की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को इस गिरोह की पूरी संरचना समझने में मदद मिली और एक-एक कर सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

7 अक्टूबर से शुरू हुई कार्रवाई,परत-दर-परत खुलता गया राज

इस पूरे मामले की शुरुआत 7 अक्टूबर 2025 को हुई, जब पुलिस ने शेख अल्ताफ और किशन रजक को नशीले इंजेक्शन बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा,पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर,शुभम यादव को हिरासत में लिया गया,उससे पूछताछ में रसल एक्का का नाम सामने आया इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए रसल एक्का को रायपुर से गिरफ्तार किया,रसल की निशानदेही पर वैंदला वासु (हैदराबाद) रजत कुमार (सूरजपुर) को भी गिरफ्तार किया गया, अंततः रंजीत की गिरफ्तारी के बाद इस पूरे नेटवर्क का फाइनेंशियल तंत्र भी उजागर हो गया।

श्रीदेवी के जमीन विवाद में कोर्ट की कार्यवाही स्थगित

हाल ही में मद्रास हाई कोर्ट ने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में अहम अंतरिम आदेश जारी किया है। मद्रास हाईकोर्ट ने चेंगलपट्टू सिविल कोर्ट में इस मामले से जुड़ी कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत के इस आदेश के बाद चेंगलपट्टू कोर्ट में मामले की आगे की सुनवाई या कोई नया कदम नहीं उठाया जा सकेगा। हाई कोर्ट ने इस मामले की अंतिम सुनवाई के लिए 26 मार्च की तारीख निर्धारित की है। जानकारी के अनुसार, श्रीदेवी ने वर्ष 1988 में चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड स्थित संबंदा मुदलियार परिवार से लगभग 4.77 एकड़ जमीन खरीदी थी। यह संपत्ति पिछले करीब 37 वर्षों से उनके परिवार के कब्जे में बताई जाती है। हाल ही में इस जमीन पर स्वामित्व को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया, जब नटराजन और शिवगामी नामक दो लोगों ने स्वयं को चंद्रशेखरन मुदलियार की दूसरी पत्नी की संतान बताते हुए इस संपत्ति पर अपना अधिकार जताया। दावा करने वाले दोनों व्यक्तियों ने खुद को कानूनी वारिस बताते हुए संबंधित दस्तावेज हासिल किए और इसके आधार पर चेंगलपट्टू अतिरिक्त जिला न्यायालय में सिविल मुकदमा दायर कर जमीन में हिस्सेदारी की मांग की। इसके विरोध में श्रीदेवी के पति बोनी कपूर ने अपनी बेटियों जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के साथ मिलकर चेंगलपट्टू कोर्ट में याचिका दाखिल कर इस मुकदमे को खारिज करने की मांग की थी। हालांकि चेंगलपट्टू कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि संपत्ति के मालिकाना हक का अंतिम निर्णय तभी संभव होगा जब पूरे मामले की सुनवाई पूरी हो जाए। इस फैसले को चुनौती देते हुए बोनी कपूर और उनकी बेटियों ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। उन्होंने अदालत में दायर याचिका में आरोप लगाया कि संपत्ति पर दावा करने वाले लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कानूनी वारिस का प्रमाणपत्र हासिल किया है। याचिका में यह भी कहा गया कि संपत्ति के असली मालिक मायलापुर में रहते थे, जबकि दावेदारों ने वर्ष 2005 में तांबरम तहसीलदार कार्यालय से कथित रूप से गलत जानकारी देकर वारिस प्रमाणपत्र बनवा लिया।

सौरभ शुक्ला का खुलासा...मेरी शादी में मनोज बाजपेयी का था बड़ा हाथ,हम फाकामस्ती करते थे

बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में शुमार सौरभ शुक्ला के हम सभी मुरीद हैं। साल 1994 में 'बैंडिट क्वीन' से रुपहले पर्दे पर कदम रखने वाले सौरभ शुक्ला को 1998 में रिलीज 'सत्या' के बाद सबने प्यार से कल्लू मामा पुकारा। आज 3 दशक के करियर में वह 'रेड' के ताऊ जी और 'जॉली एलएलबी' के जज सुंदरलाल त्रिपाठी बनकर मजमा लूट लेते हैं। एक्टर होने के साथ-साथ पटकथा लेखक और फिल्म निर्देशक सौरभ शुक्ला आज 63 साल के हैं। हिंदी के साथ ही तमिल और तेलुगू फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुके हैं। थिएटर की दुनिया से फिल्मों में आए सौरभ शुक्ला की एक पहचान ये भी है कि वह जोगमाया शुक्ला की संतान हैं, जो देश की पहली महिला तबला वादक थीं। उनके पिता शत्रुघ्न शुक्ला, आगरा घराने के मशहूर गायक थे। चाहे पर्दा बड़ा हो या छोटा, सौरभ शुक्ला ने एक से बढ़कर यादगार भूमिकाएं की हैं। वह ओटीटी पर भी खूब ख्याति बटोर रहे हैं। इन दिनों वह बतौर राइटर-डायरेक्टर अपनी फिल्म 'जब खुली किताब' को लेकर सुर्खियों में हैं। सौरभ शुक्ला को उनकी हालिया ओटीटी रिलीज फिल्म 'सूबेदार' में भी खूब पसंद किया जा रहा है। इसमें वह अनिल कपूर के दोस्त बने हैं। इंडस्ट्री में यारों के यार कहे जाने वाले सौरभ की मनोज बाजेपयी से तगड़ी दोस्ती है। वह खुलासा करते हैं कि मनोज सिर्फ उनके दोस्त भर नहीं हैं। वह उनके जीवन का बड़ा हिस्सा हैं। यहां तक कि उनकी शादी में मनोज बाजपेयी का बड़ा योगदान रहा है। मनोज बाजपेयी ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि संघर्ष के दिनों में सौरभ शुक्ला ने कई बार उनके लिए खाने का जुगाड़ किया था।

दोस्त के लाए खाने पर सभी का हक होता था...

मनोज संग अपनी यारी को लेकर सौरभ शुक्ला कहते हैं, 'मेरे जीवन में मनोज का बहुत बड़ा योगदान है। मेरी पर्सनल लाइफ में मनोज ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। जब मेरी शादी हुई थी, तब मनोज ही थे, जिन्होंने मेरी पत्नी (बर्नाली रे) से कहा था कि इससे अच्छा लड़का तुमको मिल नहीं सकता। वो समझदार है, कमिटेड है और साथ में गाना भी गा लेता है। मनोज तो मेरा यार है। जहां तक स्ट्रगल डेज की बात है, तो संघर्ष काफी था, मगर वो दिन मस्ती भरे थे। उस दौर में हम सभी ने एक-दूसरे का साथ दिया। मैं, मनोज, तिग्मांशु धूलिया, विजय कृष्ण आचार्य जैसे जितने भी दोस्त थे, हम साथ रहा करते थे। उस वक्त एक मेंडेट-सा था कि चाहे खाना-पीना (शराब) कोई भी लाए, वो सभी का होता था, किसी एक का नहीं। हम सभी मिलजुल कर खाया-पिया करते थे। हम सभी के सपने थे, मगर उन सपनों को पूरा करने के साथ-साथ हम फाकामस्ती भी खूब किया करते थे।'

कल्लू मामा के रोल के बाद अच्छे रोल नहीं मिल रहे थे...

सौरभ शुक्ला ने थिएटर और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की रेपेट्री कंपनी में अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत की। लेकिन उनके करियर का टर्निंग पॉइंट था फिल्म 'सत्या' में कल्लू मामा का रोल। हालांकि, उस सुपरहिट भूमिका के बावजूद सौरभ का संघर्ष खत्म नहीं हुआ। वह कहते हैं, 'कल्लू मामा की भूमिका के बाद मुझे लगा था कि एक से बढ़कर एक रोल्स के ऑफर आएंगे, काम की किल्लत तो नहीं हुई, मगर हां उस तरह के रोल्स की किल्लत जरूर हुई, जो मैं करना चाहता था। मुझे काफी छोटे-छोटे किरदार ऑफर हो रहे थे, जिनका कोई अर्थ नहीं था।'

मैंने कहना शुरू कर दिया कि एक्टर नहीं,राइटर हूं...

यूपी के गोरखपुर में पैदा हुए सौरभ शुक्ला कहते हैं, 'उन दिनों लोग अक्सर ये कहते कि तुम अच्छे एक्टर हो, मगर तुम्हें कैमियो भूमिकाएं ही क्यों मिलती हैं एक दौर ऐसा भी आया, जब मैंने कहना शुरू किया कि मैं एक्टर नहीं हूं, राइटर हूं। असल में वो खुद को बचाने का एक तरीका था। लंबे समय तक मैंने राइटिंग भी की। मगर फिर वो दौर भी खत्म हुआ और अनुराग बसु की 'बर्फी' मिली, फिर तो एक्टर के रूप में मेरी गाड़ी फिर से चल निकली।'

प्रोटोकॉल तोड़कर राष्ट्रपति से हाथ मिलाया

ये भी कम दिलचस्प बात नहीं है कि एक समय मनचाही भूमिकाओं के लिए तरसने वाले सौरभ, आगे चलकर 2013 में 'जॉली एलएलबी' में जज सुंदरलाल त्रिपाठी के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर चुने गए। वह बताते हैं, 'बहुत ही अद्भुत अनुभव था। सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय पुरस्कार आपको राष्ट्रपति के हाथों मिलता है। मैं आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, मैंने तो अवॉर्ड लेते समय प्रोटोकॉल भी तोड़ दिया था। प्रोटोकॉल होता है कि आप राष्ट्रपति से हाथ नहीं मिला सकते, उन्हें छू नहीं सकते, मुझे पता पता था कि मुझे उनको नमस्ते करनी है। उस वक्त तत्कालीन राष्ट्रपति थे प्रणब मुखर्जी। मैं जब अवॉर्ड लेने मंच पर गया, तो वे मुझे देखकर मुस्कुराए और बोले,'आपकी वजह से मैंने ये फिल्म दो बार देखी है।' उनकी ये बात सुनकर मेरी हिम्मत बढ़ गई। मैंने तपाक से कहा, 'अगर ऐसा है, तो इसी बात पर हाथ मिलाइए।' उन्होंने भी हाथ मिला लिया और इस तरह प्रोटोकॉल तोड़कर मैंने राष्ट्रपति से हाथ मिलाया।'

मेरी बीवी ने कहा...मैं तुम्हारे साथ काम नहीं करूंगी'

बहुत कम लोग जानते हैं कि सौरभ शुक्ला की पत्नी बर्नाली रे भी कवयित्री, लेखिका और निर्देशक हैं। उनकी क्रिएटिव पत्नी उन्हें कैसे कॉम्प्लिमेंट करती हैं? इस पर वे कहते हैं, 'मैं खुद को बहुत लकी मानता हूं और खुश भी बहुत हूं कि मेरी पत्नी, मेरी सोलमेट बर्नाली पूरी तरह से इंडिपेंडेंट हैं। वे अपने आप में पूरी शख्सियत हैं। एक क्रिएटिव पर्सन होने के बावजूद उन्होंने मुझसे साफ कह दिया था कि सौरभ मैं तुम्हारे साथ काम नहीं करूंगी। पर उन्होंने अपने बलबूते पर बहुत खूबसूरत फिल्में और अर्थपूर्ण डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाई। उन्होंने 'जून' नाम की एक बेहद कमाल की फिल्म बनाई, जो उन्होंने खुद लिखी, निर्देशित और प्रड्यूस भी की।

मैंने सोचा था डिंपल कपाड़िया रोल के लिए मना कर देंगी...

'जब खुली किताब' के राइटर-डायरेक्टर सौरभ शुक्ला को फिल्म में डिंपल कपाड़िया के साथ अपने काम करने का मौका मिला। अपने इस अनुभव को लेकर वह कहते हैं, 'अपनी फिल्म के लिए मैंने डिंपल कपाड़िया के बारे में तो सोचा ही नहीं था। वे तो बड़ी और व्यस्त स्टार हैं। मुझे लगा कि वे मना कर देंगी, मगर उन्होंने स्क्रिप्ट भेजने के तीसरे दिन मुझे फोन करके कहा कि वो किरदार तो सिर्फ वही करेंगी।

डायरेक्टर अगर एक्टर को एक्ट करके दिखाए तो इंसल्ट मालूम होता है...

जब हमने उनसे जानना चाहा कि उन जैसा एक एक्टर जब निर्देशक बनता है, तो सेट पर उसका कितना फायदा-नुकसान होता है? इस पर वे बोले, 'मुझे नहीं लगता, कोई नुकसान होता है, फायदा ही होता है, वो ये कि मैं एक्टर्स की दिक्कत समझ पाता हूं। मैं आपके माध्यम से ये कहना चाहूंगा कि आपके सामने अगर कोई एक्टर हो, तो उसे एक्ट करके कभी मत दिखाओ, मैं ये गलती कभी नहीं करता। जैसे ही आप किसी कलाकार को सेट पर अभिनय करके दिखाते हैं, तो इसे ये अपनी इंसल्ट मालूम होती है। वो सोचता है कि आप उसे नकल करने कह रहे हैं।'

खेल समाचार

दिल्ली कैपिटल्स को झटका मिचेल स्टार्क शुरुआती फेज से बाहर रहेंगे

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए एक निराशाजनक खबर है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई मिचेल स्टार्क सीजन के शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। स्टार्क के बाहर रहने से दिल्ली कैपिटल्स को सीजन के शुरुआती फेज में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क टूर्नामेंट की शुरुआत में उपलब्ध नहीं रहेंगे। उनकी वापसी इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले सप्ताह में उनका फिटनेस प्रोटोकॉल कैसे आगे बढ़ता है। सीए के अनुसार, पिछले 12 महीनों में भारी वर्कलोड के चलते 36 वर्षीय स्टार्क को सावधानी से मैनेज किया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में एशेज सीरीज के सभी पांच टेस्ट खेले थे और बिग बैश लीग के अंतिम चरण में भी हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भारत के मोहम्मद सिराज को छोड़कर किसी भी तेज गेंदबाज से ज्यादा गेंदें डालीं। स्टार्क की गैरमौजूदगी दिल्ली कैपिटल्स के लिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि टीम उनसे नई गेंद के साथ शुरुआती ओवरों में बढ़त दिलाने की उम्मीद कर रही थी। वह दुनिया के उन चुनिंदा तेज गेंदबाजों में शामिल हैं,जो पावरप्ले और डेथ ओवरों दोनों में मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। स्टार्क ही नहीं, बल्कि पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी अपने-अपने फ्रेंचाइजी के लिए शुरुआती मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। कमिंस सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और हेजलवुड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हैं, जिससे इन टीमों को भी शुरुआती झटका लगेगा। दिल्ली कैपिटल्स ने स्टार्क को आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 11.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सीजन में उन्होंने 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। हालांकि उनका इकॉनमी रेट 10 से ऊपर रहा, लेकिन बड़े मैचों में प्रभाव डालने की उनकी क्षमता टीम के लिए बेहद अहम रही है।

गौतम गंभीर की एआई डीपफेक याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट 23 मार्च को अगली सुनवाई करेगी

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 23 मार्च की तारीख तय की है। हाईकोर्ट ने गौतम गंभीर के वकील से कहा है कि याचिका मे जो कमियां है उसे सुधार कर लाएं। गौतम गंभीर ने 19 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। याचिका में उन्होंने कहा था कि उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, उनकी आवाज उनकी तस्वीर का वाणीज्यिक रूप से गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसके लिए डीप फेक,एआई मैनिपुलेशन जैसी तकनीकों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। गौतम गंभीर के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट का डीप फेक वीडियो बनाकर उसका गलत इस्तेमाल सोशल मीडिया पर व्यूज बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। वीडियो में वह बयान में दिखाए जा रहे हैं जो गंभीर ने कभी दिए ही नहीं। गंभीर के इस्तीफा देने का भी एक एआई वीडियो डाला गया जिसने कुछ ही समय मे 29 लाख व्यूज हासिल कर लिया । ये गरिमा का सवाल है । गंभीर की तरफ से कहा गया है उनके 1.2 करोड से ज्यादा फालोवर है जबकि ट्वीटर पर ही इसतरह की फेक खबरे फैलाई जा रही है। गंभीर की लीगल टीम ने दायर याचिका में कहा था कि 2025 के आखिर से गौतम गंभीर की लीगल टीम ने इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर नकली डिजिटल कंटेंट में तेजी से और चिंताजनक वृद्धि देखी। कई अकाउंट्स ने असली वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें गंभीर को ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं। इसमें एक नकली इस्तीफे की घोषणा भी शामिल थी, जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। एक नकली क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया। यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है।

आईपीएल से चुनी जाएगी ओडीआई वर्ल्ड कप 2027 की टीम

20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स का उनके परफार्म और फिटनेस पर फोकस रहेगा

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है,जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा। इतना ही नहीं मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपने फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतारेगा। यानी सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

स्टेडियम जाकर मैच देखेंगे : सिलेक्टर्स भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सिलेक्टर्स के बीच मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा।

इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप पर ही ध्यान देंगे।

अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे : चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे।

अफगान के खिलाफ सीनियर टीम उतारेगा : भारत अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड-बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिलना गर्व का विषय : शिखर धवन

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल का 2028 में वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए ओडिशा का चयन वैश्विक खेल मंचों पर भारत के बढ़ते रुतबे का सबूत है। धवन ने इस ओलंपिक की मेजबानी के सफर में भी एक बड़ा कदम बताया। शिखर धवन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'भारत एक वैश्विक खेल आयोजन मंच के तौर पर लगातार आगे बढ़ रहा है। भुवनेश्वर में 2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिलना गर्व का पल है और हमारी ओलंपिक यात्रा और स्पोर्ट्स इकोसिस्टम में एक बड़ा कदम है। 'ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा, 'यह न केवल ओडिशा के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का पल है। हम विश्व एथलेटिक्स और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने वैश्विक एथलेटिक्स की सबसे मशहूर चैंपियनशिप में से एक के

आयोजन के लिए ओडिशा पर भरोसा जताया। ' उन्होंने कहा,'पिछले एक दशक में,ओडिशा ने खेल को अपने विकास के सफर का एक अहम हिस्सा बनाया है। वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2028 की मेजबानी करने से एक वाइब्रेंट स्पोर्टिंग कल्चर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी, साथ ही पूरे भारत में एथलीटों की अगली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। 'पोलैंड के टोरून में हुई 240 वीं वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल मीटिंग के दौरान,भारत को 3-5 मार्च 2028 तक होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप-2028 की मेजबानी दी गई। भारत पहली बार ग्लोबल ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल के सदस्यों ने जनवरी में ओडिशा में भुवनेश्वर के कलिंगा इनडोर स्टेडियम का इंस्पेक्शन किया था और वे मौजूद सुविधाओं से खुश थे। ओडिशा देश में ट्रैक एंड फील्ड के लिए आयोजन के लिए मुख्य स्थलों में से एक है। ओडिशा पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों के आयोजन स्थल के रूप में प्रमुखता से उभरा है। 2017 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में हुई थी। ओडिशा ने पिछले साल भुवनेश्वर में वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्तरीय कॉम्पिटिशन भी आयोजित किया था, जिसमें दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से 200 से ज्यादा एथलीट शामिल हुए थे।

विश्वकप के लिए अभी से तैयारियों में लगी है भारतीय हॉकी टीम : कोच फुल्टन

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि इस साल अगस्त में होने वाले विश्व कप को देखते हुए टीम अभी से तैयारियों में लगी हुई है। साथ ही कहा कि टीम ने इस बड़े मुकाबल के लिए रणनीति भी बना ली है जिसके अनुसार ही टीम आगे बढ़ रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम ने पिछले काफी समय से लगातार सुधार किया है और वह समय आने पर बेहतरीन फॉर्म में दिखेगी। भारत ने हालांकि इस सत्र में अब केवल होबार्ट में खेला गया एक मैच जीता है जो एफआईएच प्रो लीग मैच था। इसमें उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की थी। नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू होने वाले विश्व कप के पूल डी में भारतीय टीम का मुकाबला शीर्ष वरीय इंग्लैंड के

अलावा पाकिस्तान और वेल्स से होगा। ग्रुप चरण के सभी मुकाबले नीदरलैंड में खेले जाएंगे। कोच ने गया, हम अपनी रणनीति के साथ ही गोल दागने की क्षमता भी बेहतर बना रहे हैं। हम आगे भी प्रयास करते रहेंगे। ये बातें ही हर मैचों का परिणाम तय करती हैं। इस पूल में शामिल हर विरोधी टीम की अपनी अलग-अलग ताकत हैं इसलिए हमारी तैयारी भी हर टीम के हिसाब से अलग रहेगी। इसलिए अगले कुछ महीने हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

पीएसएल 2026 में खेलने के लिए बांग्लादेश के खिलाड़ियों को सरकार की मंजूरी का इंतजार : बीसीबी

नई दिल्ली,20 मार्च 2026। टी20 विश्व कप 2026 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ एकजुटता दिखाई थी। पीसीबी ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने की धमकी भी दी थी, लेकिन अब बीसीबी की तरफ से आए एक बयान ने पाकिस्तान के साथ उसके संबंधों पर सवालिया निशान लगा दिया है। मामला पीसीबी द्वारा संचालित पीएसएल 2026 से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल)-2026 की शुरुआत 26 मार्च से हो रही है। सीजन की शुरुआत से ठीक पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि पीएसएल में बांग्लादेश के खिलाड़ियों की मौजूदगी बांग्लादेश सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीसीबी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा,'हम अपने क्रिकेटरों को पीएसएल के लिए भेजने से पहले सरकार से अनुमति लेंगे। सामान्य हालात में, इसकी जरूरत नहीं होती। हम खिलाड़ियों को भेजते हैं,वे जाते हैं और खेलकर वापस आ जाते हैं। फिलहाल हालात सामान्य नहीं हैं। खिलाड़ियों की सुरक्षा का मामला है। इसलिए हम सरकार से इस बारे में बात करेंगे। 'उन्होंने आगे कहा,'हम सरकार से पूछेंगे कि पाकिस्तान जाना सुरक्षित है या नहीं। सरकार ही वहां के हालात को बेहतर समझती है,इसलिए हम सरकार के निर्णय के मुताबिक आखिरी फैसला लेंगे। सरकार हमें बताती है कि

जाना सुरक्षित है और खिलाड़ी यात्रा कर सकते हैं,तो खिलाड़ी जाएंगे। सरकार परिस्थितियों के मुताबिक निर्णय लेगी। ' सरकार से मंजूरी मिलने की स्थिति में पीएसएल में जाने वाले बांग्लादेश के खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए तैयारी कैंप में नहीं जा पाएंगे। न्यूजीलैंड की टीम 13 अप्रैल को तीन वनडे और तीन टी 20 के लिए ढाका पहुंचेगी। बीसीबी ने अपने खिलाड़ियों को आंशिक एनओसी जारी किए हैं। बांग्लादेश ने अभी भी अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं किया है। बीसीबी अपने मुख्य खिलाड़ियों की न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के दौरान उपस्थिति चाहता है।

मुस्तफिजुर को 26 मार्च से 12 अप्रैल तक और फिर 24 अप्रैल से 3 मई तक के लिए एनओसी दिया गया है। बीसीबी ने छह खिलाड़ियों-मुस्तफिजुर रहमान,परवेज हुसैन इमोन (लाहौर कलंदर्स),शोरीफुल इस्लाम, नाहिद राणा, तंजीद हसन तमीम (पेशावर जालमी), और रिशाद हुसैन (पेशावर जालमी) को पूर्व में एनओसी जारी किया है, लेकिन 26 मार्च से शुरू हो रहे पीएसएल-2026 के लिए अब इन खिलाड़ियों को बांग्लादेश सरकार की मंजूरी का इंतजार रहेगा।

छत्तीसगढ़ विधानसभा मे परीक्षा गड़बड़ी रोकथाम और एसएसबी बिल पास

3 से 10 साल की जेल,1 करोड़ तक जुर्माना,एक ही प्लेटफॉर्म से होगी सरकारी भर्तियां

रायपुर,20 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के आखिरी दिन सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने वाला बिल पास हुआ। इसके अलावा स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड बिल 2026 भी पास कर दिया गया है। परीक्षा गड़बड़ी रोकथाम बिल में अभ्यर्थियों के लिए सख्त नियम तय किए गए हैं। नकल करते पकड़े जाने पर उनका रिजल्ट रोका जाएगा और उन्हें 1 से 3 साल तक परीक्षा देने से बैन किया जाएगा। हालांकि,यह बैन स्थायी नहीं होगा और तय अवधि के बाद अभ्यर्थी फिर से परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। अन्य दोषियों के लिए भी कड़ी सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों में 3 से 10 साल तक की जेल और 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं, गंभीर उल्लंघन जैसे पेपर लीक, अवैध प्रवेश या रिकॉर्ड में छेड़छाड़ के मामलों में 1 से 5 साल तक की जेल और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगेगा। इसके अलावा, परीक्षा से जुड़ी संस्थाओं और एजेंसियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने पर 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगेगा, साथ ही कम से कम 3 साल तक परीक्षा कराने से बैन किया जाएगा और परीक्षा से संबंधित खर्च की वसूली भी की जाएगी। वहीं स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड के जरिए तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की भर्तियां एक ही प्लेटफॉर्म से की जाएंगी, जिससे अलग-अलग विभागों की अलग भर्ती प्रक्रिया खत्म होगी। व्यापम भी इस नए बोर्ड में विलय किया जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे भर्ती प्रक्रिया ज्यादा सरल, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त होगी। इसी के साथ विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई है।

परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाना बिल का मकसद

सरकार का कहना है कि परीक्षाओं में पारदर्शिता, ईमानदारी और निष्पक्षता बढ़ाना इस बिल का मकसद है। अभ्यर्थियों की मेहनत का सही मूल्यांकन हो सके और उनका भविष्य सुरक्षित रहे। साथ ही, अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों, समूहों या संस्थानों पर रोक लगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पिछली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ियों की वजह से कई युवाओं के साथ अन्याय हुआ। वहीं, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भी बिल का समर्थन किया। उन्होंने माना कि नकल और संगठित गड़बड़ी रोकने के लिए सख्त कानून जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि सरकार को हर बात के लिए पिछली सरकार को दोष देने के बजाय अब बेहतर काम पर ध्यान देना चाहिए।

अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले उद्योगों का मुद्दा

- **सवाल (डॉ. चरणदास महंत):** प्रदेश में खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न करने वाली कितनी औद्योगिक इकाइयां हैं और उनके नियंत्रण की क्या व्यवस्था है?
- **जवाब (मंत्री ओपी चौधरी):** प्रदेश में 665 औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। 19 उद्योगों में ऑनलाइन एमीशन मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित है, जिसे उद्योग अपने खर्च पर लगाते हैं और नियमित निगरानी की जाती है। इस मुद्दे पर सदन में हल्की बहस भी हुई।

छातिम वृक्ष को लेकर सवाल

- **सवाल (सुनील सोनी):** क्या छातिम वृक्ष के दुष्प्रभाव को देखते हुए इसके रोपण पर रोक लगाई गई है या हटाने की कोई योजना है?
- **जवाब (मंत्री ओपी चौधरी):** छातिम वृक्ष के रोपण पर कोई रोक नहीं लगाई गई है और न ही इसे हटाने की कोई कार्ययोजना फिलहाल प्रस्तावित है।

छत्तीसगढ़ में अब जमीन खरीदना हुआ आसान,रजिस्ट्री की दरें घटीं

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र का अंतिम दिन, 20 मार्च 2026,प्रदेश की जनता और युवाओं के लिए बड़े निर्णयों का गवाह बना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने 'छत्तीसगढ़ उपकर संशोधन विधेयक 2026' और 'नकल विरोधी विधेयक' पारित कर दोहरी राहत दी है। इन फैसलों से न केवल रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलेगी, बल्कि सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे लाखों परीक्षार्थियों का भविष्य भी सुरक्षित होगा।

जमीन रजिस्ट्री पर 12% उपकर खत्म, जनता को 150 करोड़ की राहत

साय सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जमीनों की खरीद-बिक्री पर लगने वाले 12% अतिरिक्त उपकर को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इस संशोधन विधेयक के पारित होने से अब प्रदेशवासियों को जमीन की रजिस्ट्री कराते समय केवल निर्धारित स्टांप शुल्क देना होगा, अतिरिक्त बोझ नहीं। अनुमान है कि इस फैसले से राज्य की लगभग 3 करोड़ जनता को सीधे तौर पर सालाना 147 से 150 करोड़ रुपये की बड़ी आर्थिक बचत होगी। सरकार का मानना है कि इस टैक्स कटौती से निवेश बढ़ेगा और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अपना घर या जमीन खरीदना आसान हो जाएगा।

पिछली सरकार के 'युवा मितान क्लब' उपकर पर तीखी बहस

सदन में चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि यह 12% उपकर पूर्ववर्ती सरकार द्वारा 'राजीव गांधी युवा मितान क्लब योजना' के वित्तपोषण के लिए लगाया गया था। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर सहित अन्य सत्तापक्ष के सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस योजना के तहत लगभग 52 करोड़ रुपये का उपयोग पारदर्शी तरीके से नहीं किया गया। ऑडिट की कमी और अपारदर्शी पंजीकरण का मुद्दा उठाते हुए सरकार ने इस उपकर को जनहित में अनावश्यक बताया और इसे समाप्त करने का निर्णय लिया। विपक्ष के साथ तीखी बहस के बाद आखिरकार जनता को राहत देने वाला यह बिल पास हो गया।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और समर्थन

विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली कार्यप्रणाली में हुई खामियों के कारण प्रदेश के लाखों युवाओं के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बिल अभ्यर्थियों की मेहनत का सही मूल्यांकन सुनिश्चित करेगा। वहीं,नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भी बिल की आवश्यकता का समर्थन किया। उन्होंने सहमति जताई कि संगठित अपराध रोकने के लिए ऐसा कानून जरूरी है, परंतु उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि हर विफलता के लिए पुरानी सरकार को कोसने के बजाय वर्तमान क्रियान्वयन पर ध्यान देना चाहिए।

हाई कोर्ट का कड़ा रुख..'काला जादू' के शक में भीड़ की हैवानियत, बाप-बेटों को बनाया निशाना

बिलासपुर,20 मार्च 2026। अभनपुर में 'काला जादू' के शक में एक परिवार के साथ हुई बर्बरता ने जितना झकझोरा, उससे कहीं ज्यादा सवाल इस मामले में पुलिस की भूमिका ने खड़े कर दिए हैं। अब छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ भीड़ हिंसा नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता के तौर पर देखा है। 13 मार्च 2025 को हुई घटना में तिलक साहू, उनके पिता और भाई को भीड़ ने बेरहमी से पीटा, अर्धनग्न कर गांव में घुमाया और रातभर बंधक बनाकर रखा। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि मौके पर पहुंची पुलिस ने न सिर्फ सख्त कार्रवाई नहीं की, बल्कि आरोप है कि पीड़ितों से शिकायत न करने का कागज तक साइन करा लिया। जब पीड़ित न्याय के लिए अदालत पहुंचे, तब जाकर मामला दर्ज हुआ–वो भी हल्की धाराओं में। कोर्ट के निर्देशों की अनदेखी ने मामले को और गंभीर बना दिया, जिसके बाद हाई कोर्ट को सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा। अदालत ने साफ कहा कि यह मामला साधारण नहीं, बल्कि 'मॉब लिंचिंग' जैसा गंभीर अपराध है। साथ ही पुलिस की भूमिका पर नाराजगी जताते हुए जवाब तलब किया।

रायपुर में बीपी मशीन में छिपाकर कोरियर से मंगाई कोकीन...2.27 लाख की ड्रग्स जब्त,युवक गिरफ्तार

रायपुर,20 मार्च 2026। रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम और एंटी नारकोटिक्स टीम ने कोकीन तस्करी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बीपी मशीन के अंदर कोकीन छिपाकर कोरियर से मंगाई थी। यह कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट रायपुर, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और देवेन्द्र नगर थाने की संयुक्त टीम ने की है। पुलिस ने आरोपी कृष्ण गोपाल अग्रवाल (28) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4.55 ग्राम कोकीन बरामद की है,जिसकी कीमत करीब 2.27 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं, गंज पुलिस ने गांजा तस्करी करते हुए महिला समेत दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कोकीन के साथ आरोपी के पास से एक कार ग्रैंड विटारा और एप्पल आईफोन भी जब्त किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 20.27 लाख रुपए बताई गई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी कई राज्यों से कोरियर के माध्यम से कोकीन मंगवाकर उसकी सप्लाई करता था। इस मामले में कोरियर कंपनी के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि, एक व्यक्ति सेक्टर-5 स्थित नारायणा हॉस्पिटल के पास कार में कोकीन लेकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध वाहन को घेर लिया और आरोपी को पकड़ लिया। वाहन की तलाशी लेने पर कोरियर पैकेट में रखी बीपी मशीन के अंदर कोकीन छिपी मिली।

रायपुर में युवती से 6.30 लाख की ठगी टेलीग्राम में टास्क पूरा करने दिया ऑफर

रायपुर,20 मार्च 2026। राजधानी रायपुर में वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन टास्क पूरा करने के नाम पर एक युवती से 6.30 लाख रुपए की ठगी हुई है। शांति नगर इलाके में रहने वाली प्रीति एक निजी कंपनी की मैनेजर है। ठगों ने पहले रेटिंग देने के नाम पर भरोसा जीता और फिर मोटी कमाई का लालच देकर 20 किश्तों में पैसे ट्रांसफर कराए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सिविल लाइन थाना इलाके का है। दरअसल, शांति नगर निवासी पीड़िता प्रीति तांडी (38) निजी कंपनी में मैनेजर है। 12 मार्च को उसके व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया, जिसमें घर बैठे 'स्टार रेटिंग' देकर रोजाना 5 से 8 हजार रुपए कमाने का ऑफर दिया गया। प्रीति ने जैसे ही सहमति दी, उन्हें मयूरी कांशी नाम की महिला के टेलीग्राम चैनल से जोड़ दिया गया।

नेशनल डिफेंस कॉलेज के प्रशिक्षु सैन्य और गैर सैन्य अधिकारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को डबल इंजन की सरकार ने किया दूर : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,20 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ की हमारी धरती सघन वन,प्राकृतिक संसाधन,खनिज संपदा के विपुल भंडार, लोक संस्कृति की अमूल्य विरासत और नैसर्गिक सौन्दर्य का अद्भुत संगम है। इस सुंदर धरती के विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को हमारे डबल इंजन की सरकार ने अब दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में नेशनल डिफेंस कॉलेज के सैन्य एवं सिविल सेवा अधिकारियों के अध्ययन दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए अधिकारियों का स्वागत करते हुए शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। अध्ययन दल का नेतृत्व कर रहे एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभव साझा करते हुए राज्य की भौगोलिक,सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री को सैन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सघन वनों, खनिज संपदा,समृद्ध लोक संस्कृति और नैसर्गिक सौंदर्य का अद्वितीय संगम है। उन्होंने बताया कि राज्य का लगभग 46 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जिसमें 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और कैम्पा योजना का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साय ने कहा कि राज्य खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है–कोयले से लेकर हीरे तक यहां उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ वर्तमान में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरप्लस राज्य है,जहां लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिससे आने वाले समय में इतनी ही अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अब नक्सल समस्या समाप्ति की ओर है। इससे प्रदेश में शांति और विकास की गति और तेज होगी। कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' कहा जाता है और यहां किसानों के लिए प्रभावी धान खरीदी नीति लागू है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'महतारी वंदन योजना' का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके तहत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं को प्रदान की जा चुकी है। इसके अलावा 05 लाख 30 हजार से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है।

विदेशी मेहमानों ने कहा...अद्भुत है छत्तीसगढ़,सुंदर स्मृतियों के साथ पूरी हुई यात्रा

अध्ययन दल में शामिल विदेश के सैन्य अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ प्रवास को 'अद्भुत और यादगार' बताते हुए कहा कि राज्य भौगोलिक विविधताओं और उर्वर भूमि से समृद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र की जनजातीय संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा की। एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने कहा कि स्पष्ट नेतृत्व और सशक्त नीति के कारण प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का मनोबल बढ़ा है जिससे नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्य हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं–जैसे महिला सशक्तिकरण और आवास योजनाओं–का जमीनी स्तर पर सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, आईजी ओ पी पाल, अध्ययन दल में आईपीएस अमनदीप सिंह कपूर,म्यांमार कर्नल लू जॉ आंग, ब्रिगेडियर मोहम्मद शाहिद अहमद,जापान के कर्नल उचीनो तोमोफुमी, ब्रिगेडियर कुंवर मान विजय सिंह राणा, सु सुप्रिया घाघ,ब्रिगेडियर शिशिर थमैय्या, बांग्लादेश के ब्रिगेडियर जनरल फिरदौस आरिफ अहमद,ब्रिगेडियर केतन अरुण मोहिते,ब्रिगेडियर अनिरुद्ध चौहान,एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी, एयर कमोडोर मूलनाथ गिरीश, डॉ. राजेश कुमार अस्थाना,भूटान के कर्नल समतेन चेनोर, ग्रीस के कर्नल कॉन्सटैटिनॉस नीरस शामिल है।

रायगढ़ में मिली अफीम की खेती...झारखंड का शख्स हिरासत में

भूपेश बोले:बीजेपी सरकार के सरंक्षण में खेती जारी

रायपुर,20 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार में अफीम की अवैध खेती पकड़ी गई है। तमनार ब्लॉक के आमाघाट में करीब डेढ़ एकड़ में अफीम की फसल लहलहा रही थी। 20 मार्च यानि आज मामले की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार,झारखंड का रहने वाला मार्शल सांगा यहां 10-12 साल से खेती कर रहा है। उसने आमाघाट के किसान से तरबूज, ककड़ी उगाने के लिए खेत लिया था। पुलिस ने सांगा को हिरासत में लिया है। खेत किसका है, किसके सरंक्षण में खेती हो रही थी,इसकी जांच जारी है। बता दें कि पिछले 15 दिन प्रदेश में यह चौथा अफीम का खेत मिला है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर भाजपा सरकार पर अफीम की खेती को सरंक्षण देने का आरोप लगाया है। बता दें कि प्रदेश में पिछले 15 दिनों में अफीम की खेती पकड़ाने का यह चौथा मामला है। इससे पहले 7 मार्च को दुर्ग में अफीम की खेती पकड़ाई थी। 10 मार्च को बलरामपुर के कुसमी में और 12 मार्च को बलरामपुर के कोरंधा में अफीम की खेती मिली थी।

10-12 सालों से हो रही थी खेती : बताया जा रहा है कि, आरोपी मार्शल सांगा झारखंड से आ कर अपने ससुराल रायगढ़ के तमनार में रहने लगा। वह पिछले 10-12 साल से यहां खेती कर रहा था। झारखंड में अफीम की खेती उसके साथी कर रहे हैं और उसी को देख कर उसने यहां खेती करना शुरू किया। हालांकि इसकी जांच अभी जारी है।

भूपेश बघेल बोले...भाजपा सरकार दे रही सरंक्षण

रायगढ़ में अफीम की खेती पकड़ाने पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि भाजपा सरकार के संरक्षण में प्रदेश भर में हो रही अफ़ीम की खेती का पर्दाफ़ाश जारी है। अब रायगढ़ के तमनार थाना क्षेत्र के आमाघाट में अफ़ीम की खेती पकड़ी गई है। जिस तरीक़े से प्रदेश में सूखे नशे के कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है,यह घातक है। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री की चुप्पी बताती है कि इस खेल का असली 'सरगना' कौन है।

महंगाई की दोहरी मार : रसोई गैस के बाद अब खाद्य तेल के दाम बेकाबू,15 दिनों में 300 का 'उबाल'

धमतरी,20 मार्च 2026। महंगाई की मार झेल रहे आम आदमी की रसोई अब 'युद्ध की आंच' में झुलसने लगी है। अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने न केवल वैश्विक बाजार को हिलाया है,बल्कि धमतरी की थाली का जायका भी बिगाड़ दिया है। पहले से ही रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से परेशान गृहणियों के लिए अब खाद्य तेल के आसमान छूते दाम 'कोढ़ में खाज' साबित हो रहे हैं। महज 15 दिनों के भीतर खाद्य तेल के एक टीन (15 लीटर) की कीमत में 300 तक का भारी उछाल दर्ज किया गया है। खाद्य तेल की इस बेतहाशा वृद्धि ने शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार में भी सन्नाटा पसरा दिया है। प्रमुख थोक व्यापारी लूनकरण साहू, पूनमचंद, और संतोष जैन के मुताबिक, जो तेल का टीन कुछ दिन पहले तक 2050 में उपलब्ध था, वह अब 2350 के पार पहुंच गया है।

वहीं चिल्हर व्यापारी यादों राम,लोकेश सिन्हा और रवि चंद्राकर ने बताया कि कीमतों में इस अस्थिरता के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे दुकानदार नया स्टॉक उठाने से डर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि 'इतनी तेज बढ़ोत्तरी उन्होंने अपने करियर में पहले कभी नहीं देखी। 'विशेषज्ञों के अनुसार, भारत खाद्य तेल के कच्चे माल के लिए बड़े पैमाने पर विदेशों पर निर्भर है।

जांजगीर बिजली विभाग में भ्रष्टाचार का खेल खत्म,एसीबी ने 4 को दबोचा

जांजगीर,20 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एंटी करप्शन ब्यूरो ने एक ही दिन में दो बड़ी कार्रवाइयां करते हुए चार सरकारी कर्मचारियों को रंगे हाथ दबोचा है। बिलासपुर एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर बिजली विभाग के तीन अधिकारियों और नगर पंचायत के एक लेखापाल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इन कार्रवाइयों से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। पहली घटना जांजगीर स्थित छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कार्यालय की है। शिकायतकर्ता प्रदीप यादव ग्राम खोखसा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स का प्लांट लगाना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मर और मीटर लगाने का आवेदन दिया था। नियमानुसार डिमांड नोट जमा करने के बावजूद, बिजली विभाग के अधिकारी काम आगे बढ़ाने के बदले रिश्वत की मांग कर रहे थे। परेशान होकर प्रदीप ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई, जिसका सत्यापन करने पर भ्रष्टाचार की पुष्टि हुई। डीएसपी अजितेश सिंह के नेतृत्व में एसीबी की टीम ने 20 मार्च को ट्रैप की योजना बनाई। योजना के अनुसार, शिकायतकर्ता रिश्वत की राशि लेकर कार्यालय पहुँचा।

उसने उप अभियंता राजेंद्र शुक्ला को 10 हजार रुपये दिए, जबकि सहायक अभियंता विजय नोर्गे के निर्देश पर शेष 25 हजार रुपये सहायक ग्रेड-1 देवेंद्र राठौर को सौंपे गए। जैसे ही पैसे का लेनदेन पूरा हुआ, पहले से घात लगाए बैठी एसीबी टीम ने तीनों को मौके पर ही दबोच लिया। इनके पास से रिश्वत की कुल 35 हजार रुपये की राशि बरामद की गई है। दूसरी कार्रवाई जांजगीर जिले के ही नवागढ़ नगर पंचायत में हुई। यहाँ एक ठेकेदार अब्दुल वहाब से उनके द्वारा किए गए निर्माण और मरम्मत कार्यों के भुगतान का चेक जारी करने के बदले कमीशन मांगा जा रहा था। उनकी फर्म का लगभग 2 लाख 3 हजार रुपये का बिल लंबित था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)